City News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-273
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

सिटी चीफ

इंदौर, मंगलवार 07 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

एक अच्छा विचार अनेक बुरे विचारों को नष्ट कर सकता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

नक्सलियों ने आई ईडी ब्लास्ट से पुलिस वाहन को उड़ाया 8 जवान एक ड्राइवर शहीद

हनमंत राव बोर । सिटी चीफ बीजापुर, बीजापुर के कुटरु मार्ग में नक्सलियों ने जवानों के वाहन पर आई ईडी ब्लास्ट किया है। हादसे में 9 जवान शहीद हो गए हैं। बीजापुर और कुटरु के मार्ग में नक्सलियों ने जवानों के वाहन पर आई ईडी ब्लास्ट किया गया है जिले में एक बार फिर माओवादी ने बडा आई ईडी विस्फोट किया गया है। शहीद जवानों में 8 डी आर जी के जवान और एक वाहन चालक भी शहीद हो गए हैं। सभी जवान डीआरजी दन्तेवाड़ा के हैं।

भोपाल गैस त्रासदी के 'जहरीले कचरे' को लेकर सरकार ने हाईकोर्ट में पेश की स्टेटस रिपोर्ट

पीथमपुर में हंगामे की वजह 'मीडिया'

कोर्ट ने सरकार को दिया छह हफ्ते का समय, अगली सुनवाई 18 फरवरी को

जबलपुर। भोपाल गैस त्रासदी के जहरीले कचरे को लेकर मचे घमासान के बीच सोमवार को जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट पेश की। इसमें बताया गया कि जहरीला कचरे को विनष्टीकरण के लिए पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में पहुंचा दिया गया है। कचरे से लोड वाहन सुविधा केंद्र में खड़े हैं। स्टेटस रिपोर्ट में सरकार ने कहा है कि मीडिया की गलत रिपोर्टिंग के कारण जनता कचरे के विनष्टीकरण का विरोध कर रही है। जनमानस को विश्वास में लेकर कचरे का विनष्टीकरण किया जाएगा। सरकार ने कोर्ट से छह हफ्ते का समय मांगा। इस पर चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने सरकार की मांग मानते हुए उसे छह सप्ताह का समय दे दिया। अब मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। दरअसल, यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण को लेकर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सरकार की ओर से कोर्ट में एक हलफनामा पेश किया है। जिसमें सरकार ने बताया है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर लोगों द्वारा भ्रामक जानकारियां फैलाई जा रही है। इस पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए मुद्दे से जुड़ी फेक जानकारी या न्यूज पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने सरकार से कहा है कि गलत जानकारी को दूर किया जाए। बता दें कि भोपाल गैस त्रासदी से उत्पन्न जहरीले कचरे का निपटारा एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। ऐसे में अब सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि क्या सरकार इस समस्या का समाधान निकाल पाएगी या यह मामला फिर लंबित रहेगा।

अलग से अनुमति की जरूरत नहीं

सुनवाई के दौरान सरकार ने रामकी कंपनी में खड़े कंटेनर को अनलोड करने की अनुमति कोर्ट से मांगी। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसके लिए अलग से अनुमति की जरूरत नहीं है। निस्तारण के पूर्व आदेश में ही यह कार्रवाई आती है। राज्य सरकार ने कोर्ट में बताया कि कचरे को अभी जलाया नहीं गया है। इस पर कोर्ट ने सरकार को अपने स्तर पर निस्तारण करने की छूट दी है। इसके लिए उसे छह हफ्ते का समय दिया गया है।

इंदौर के डॉक्टर्स ने भी पेश की आपत्तियां

इसके अलावा भी हाईकोर्ट में कचरे के निस्तारण को लेकर इंदौर के डॉक्टर्स द्वारा कई आवेदन और आपत्तियां पेश की गई हैं। इन्हें लेकर कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वो सभी आवेदन और आपत्तियां को संज्ञान में लेकर उसमें दिए गए तथ्यों को देखें।

2004 में लगाई गई थी याचिका

आलोक प्रभाव सिंह द्वारा साल 2004 में एक याचिका दायर की गई थी। जिसमें कहा गया था कि भोपाल गैस त्रासदी के दौरान यूनियन कार्बाइड कंपनी से हुए जहरीले गैस रिसाव में लगभग 4 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड फैक्टरी में करीब 350 मीट्रिक टन जहरीले कचरा पड़ा है। याचिका में जहरीले कचरे के विनिष्टीकरण की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाईकोर्ट स्वत- संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रहा है। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि वर्तमान याचिका वर्ष 2004 में दायर की गई थी। 20 वर्ष बीतने के बाद भी प्रतिवादी अभी तक पहले चरण में हैं। साइट से जहरीला कचरा हटाये जाने के लिए सरकार, संबंधित अधिकारी और प्रतिवादी संयुक्त बैठक कर एक सप्ताह में सभी औपचारिकताएं पूरी करें। जहरीला कचरे को चार सप्ताह में उठाकर विनष्टीकरण स्थल तक पहुंचाया जाए। कोई विभाग आदेश का पालन करने में विफल रहता है, तो संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

भारत से दुश्मनी लेने वाले जस्टिन ट्रूडो देना पड़ा पीएम पद से इस्तीफा

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने लिबरल पार्टी के नेता के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। अब उनका पिछले नौ साल का कार्यकाल खत्म हो गया है। ट्रूडो ने यह कदम अपनी पार्टी के भीतर अपने खिलाफ बढ़ते असंतोष के बीच उठाया है। उन्होंने सोमवार ओटावा में राइडौ कॉटेज में अपने निवास के बाहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने पद छोड़ने का ऐलान किया। हालांकि, पार्टी का नया नेता चुने जाने तक वह दोनों पद पर बने रहेंगे। कनाडा में इसी साल संसदीय चुनाव होने हैं। उससे पहले उनकी पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठ रही थी। उनके इस्तीफे के बाद ऐसा माना जा रहा है कि तय समय से पहले चुनाव की मांग हो सकती है। ट्रूडो पर पिछले कई महीने से उनकी ही पार्टी के सांसद पद छोड़ने का दबाव बना रहे थे। पिछले ही महीने उनकी सरकार में उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने ट्रूडो सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए पद छोड़ दिया था। इसके बाद से वह लगातार निशाने पर लिए जा रहे थे और दबान इतना बढ़ी कि उन्हें आखिर में पद छोड़ना पड़ा। उन्हीं की तरह उनके पिता पियर ट्रूडो को भी चुनावों से ऐन पहले प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। जस्टिन ट्रूडो भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम रहे हैं। वह पिछले डेढ़ साल से भारत विरोधी एजेंडा चलाकर अपनी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर को शांत कराना चाहते थे लेकिन आखिरकार उनकी दाल नहीं गल सकी। ट्रूडो 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री थे। वह कंजर्वेटिव पार्टी के 10 साल के शासन के बाद सत्ता में आए थे और उनके कार्यकाल की शुरूआत में, देश को उसके उदार अतीत की ओर वापस लाने के लिए उनकी सराहना की गई थी। ट्रूडो हाल के वर्षों में कई मुद्दों पर मतदाताओं के बीच बेहद अलोकप्रिय हो गए, जिसमें भोजन और आवास की बढ़ती लागत तथा बढ़ता आव्रजन शामिल हैं।

सीधे जनता से संवाद करेंगे सीएम मोहन यादव, पोर्टल जल्द होगा लॉन्च

जनसुनवाई में भी जुड़ेंगे मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब सीधे जनता से संवाद करेंगे। इसके लिए एक पोर्टल तैयार किया गया है, जिसे जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से लोग अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद, शिकायतों की गंभीरता और पॉलिसी से संबंधित मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी। लंबे समय से लंबित शिकायतों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। सीएम सचिवालय, शिकायतकताओं को हर महीने किसी एक सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बुलाएगा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनकी शिकायतों को सुनेंगे। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

सीएम मोहन यादव अगले सोमवार से जन संवाद करेंगे। इसका मॉडल उत्तरप्रदेश जैसा होगा। इसमें एक बार में 70 से 80 लोग बुलाए जा सकते हैं। पोर्टल पर एक सप्ताह में मिलने वाली शिकायतों और उनकी जांच के आधार पर यह चयन किया जाएगा। सीएम सचिवालय पहले से ही संबंधित लोगों को भोपाल आने के लिए तारीख और समय की जानकारी देगा।

प्रदेश में हर मंगलवार को कलेक्टर और अपर कलेक्टर जनसुनवाई करते हैं, लेकिन कई बार शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हो पाती है। अब, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महीने में दो बार किसी भी संभाग के जिलों की जनसुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। यह जनसुनवाई कलेक्टर की जनसुनवाई के बाद 1 बजे से शुरू होगी। इस दौरान, मुख्यमंत्री सीधे शिकायतकर्ताओं से बात करेंगे और अधिकारियों को निर्देश देंगे। इससे जिलों में आने वाली शिकायतों पर अधिकारियों को सजग रहना होगा और मुख्यमंत्री को ग्राउंड रियलिटी का सही जानकारी मिलेगा। यह कदम टेक्नोलॉजी के माध्यम से जनता को बेहतर प्रशासन देने की दिशा में एक अहम पहल है।

महू से शुरू करेंगे 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा'

-26 जनवरी से होगी शुरुआत

इंदौर। मध्यप्रदेश के महू से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नई यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। इस यात्रा का नाम 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा' रखा गया है। इस यात्रा की शुरुआत 26 जनवरी से बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू से होगी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी में यात्रा के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ अन्य बड़े कांग्रेस नेता भी इसमें शामिल होंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों के अनुसार, राहुल गांधी 26 जनवरी को दिल्ली से इंदौर आएंगे। इसके बाद महू में एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे, इसके बाद यात्रा की शुरुआत होगी। कांग्रेस ने यात्रा को लेकर तय किया है कि यात्रा के दौरान संविधान के महत्व को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जाएगी। साथ ही बीजेपी द्वारा संविधान के अपमान को जनता के सामने रखा जाएगा।

मध्यप्रदेश कांग्रेस ने यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस के बड़े नेताओं को शामिल करने की योजना बनाई है। यात्रा का उद्देश्य बीजेपी की नीतियों और एमपी कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सोमवार से देशभर में 'जय बापू, जय भीम' अभियान की शुरूआत हो गई है, जो 26 जनवरी तक चलेगा। हालांकि, अभी यह तय नहीं हो पाया है कि राहुल गांधी जय बापू, जय भीम अभियान की समाप्ति पर इंदौर आएंगे या फिर यात्रा की शुरुआत महू से करेंगे। सूत्रों के अनुसार, एमपी कांग्रेस ने राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए 25, 26 और 27 जनवरी में से किसी एक दिन का समय मांगा है।

अब ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस

चीन वाले खतरनाक वायरस की भारत में एंट्री, 6 बच्चे चपेट में

नई दिल्ली। पूरी दुनिया कोरोना महामारी से उबर ही रही थी कि इसी बीच चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के कारण फिर से कोविड-19 के पीक जैसे हालात बनने लगे। चीन के अस्पतालों और श्मशान में बढ़ती भीड़ की खबरों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने दुनियाभर की नींद उड़ा दी है। वैसे तो ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस कोई नया वायरस नहीं है, हालांकि जैसी इसकी प्रकृति और संक्रामकता देखी जा रही है, कई रिपोर्ट यहां तक कहने लगी हैं कि अगर संक्रमण को कंट्रोल न किया गया तो यह पांच साल में एक और वैश्विक महामारी का कारण बन सकता है। 20-25 दिनों के भीतर ही एचएमपीवी ने चीन सहित दुनियाभर के स्वास्थ्य एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। वहीं भारत में भी इस वायरस की एंट्री हो गई है। भारत में अब तक छह केस सामने आ चुके हैं। अहमदाबाद में सोमवार को 2 महीने के बच्चे में एचएमपीवी का संक्रमण मिला। यह बच्चा राजस्थान का है और इलाज के लिए अहमदाबाद पहुंचा है। इससे पहले, सोमवार सुबह कर्नाटक में 3 महीने की बच्ची और 8 महीने के बच्चे में यह वायरस मिला था। दोनों बच्चों की जांच बेंगलुरु के एक अस्पताल में की गई थी। पश्चिम बंगाल में भी पांच महीने के बच्चे में इस बीमारी के लक्षण मिले हैं। इसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उधर, तमिलनाडु के चेन्नई में भी दो बच्चे संक्रमित मिले हैं। अभी इनके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

चीन में किस तरह बिगड़े हालात

विशेषज्ञ एचएमपीवी वायरस को खतरनाक नहीं मान रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि

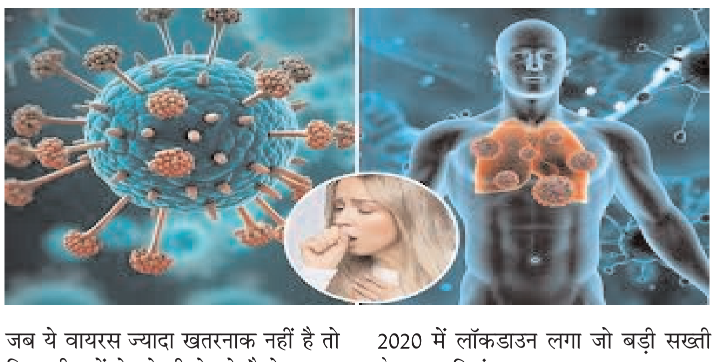

जब ये वायरस ज्यादा खतरनाक नहीं है तो फिर चीन में देखते ही देखते कैसे हालात खराब हो गए? इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के बढ़ने और बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करने का मुख्य कारण वहां कोविड के दौरान लागू की गई 'जीरो-कोविड पॉलिसी' है। वहां मार्च 2020 में लॉकडाउन लगा जो बड़ी सख्ती के साथ दिसंबर 2023 तक चलता रहा। इस दौरान जन्म लेने वाले बच्चे न तो स्कूल गए, न ही उनका दूसरे लोगों से मिलना-जुलना या संपर्क ज्यादा हुआ। यही वजह रही कि ऐसे बच्चों में प्राकृतिक इम्युनिटी विकसित ही नहीं हो पाई। इस वजह से वहां बच्चे इन नए म्यूटेटेड वायरस से अधिक प्रभावित देखे जा रहे हैं।

भारत में चीन से अलग हैं हालात?

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत जैसे देश में बच्चे समय रहते अच्छी इम्युनिटी विकसित कर लेते हैं ऐसे में एचएमपीवी के भारत में बहुत फैलने या गंभीर रूप लेने की आशंका नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में न तो इससे बहुत ज्यादा खतरा है और न ही इससे बचाव के लिए कोई बहुत खास उपाय की आवश्यकता है। श्वसन संक्रामक रोगों से बचाव के लिए कोविड में जो उपाय किए जाते रहे थे (जैसे हाथों की स्वच्छता और इम्युनिटी बढ़ाने के प्रयास) वही काफी हैं। जिन लोगों को पहले से कोमोरबिडिटी है या किसी गंभीर रोग का शिकार रहे हैं जिसने इम्युनिटी बहुत बिगाड़ दिया है उन्हें मास्क लगाने और सामाजिक दूर का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है, हालांकि सभी लोगों को न तो इससे बहुत चिंता की जरूरत है न ही ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस भारत में कोई बड़ा संकट लेकर आने वाला है।

स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा निगरानी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एचएमपीवी पहले से ही भारत सहित दुनियाभर में प्रचलन में है। इससे जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले कई देशों में सामने आए हैं। वहीं आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) नेटवर्क के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर देश में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) या गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में शहर विकास के 450 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

मालवा मिल से पाटनीपुरा तक बनेगा ब्रिज, नंदा नगर में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में स्पोर्टस कॉम्पलेक्स और ब्रिज निर्माण सहित 450 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी मिली है। सोमवार को नगर निगम में हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक में शहर विकास के इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मेयर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सभी एमआईसी मेम्बर और अधिकारी भी मौजूद रहे। विधानसभा क्षेत्र 2 से जुड़े 2 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पहला मालवा मिल से पाटनीपुरा चौराहे तक 6 करोड़ में ब्रिज बनाया जाएगा। इसी विधानसभा को दूसरी बड़ी सौगात के रूप में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी मिला है। 15 करोड़ की लागत से ये ब्रिज नंदा नगर में बनाया जाएगा।

3 जगह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट
महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एमआईसी बैठक में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत 3 जगह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीटीपी) निर्माण को मंजूरी दी है। कबीटखेडी में 120 एमएलडी क्षमता, बेगमखेडी कनाडियां में 40 एमएलडी क्षमता और लक्ष्मीबाई तिराहा वीआईपी रोड पर 35 एमएलडी क्षमता के यह प्लांट 417 करोड़ की लागत से बनेंगे। एमआईसी ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

17 करोड़ से संपवेल निर्माण
मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अद्योसंरचना निर्माण के तहत वार्ड-27 में नंदानगर रोड 11 से 30 के पास रिक्त भूमि पर 15 करोड़ की लागत से स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा मालवा मिल चौराहे से पाटनीपुरा चौराहे तक 6 करोड़ की लागत से ब्रिज निर्माण और 17 करोड़ से संपवेल निर्माण की स्वीकृति दी गई।

सुलभ काम्पलेक्स बनेंगे
मेयर इन काउंसिल की बैठक में नगर विकास के लिए हटाए गए सुलभ काम्पलेक्स के स्थान पर सीएसआर मद से पुन- सुलभ काम्पलेक्स बनवाए जाएंगे। सीवरेज लाइन बिछाने और सीवरेज ट्रीटमेंट पलांट्स के लिए डीपीआर बनाने की मंजूरी दी गई है। निर्माण कार्य के सुपरविजन के लिए कंसलटेन्ट हायर किए जाएंगे। इस दौरान अन्य विकास कार्यों को भी स्वीकृति दी गई। मेयर इन काउंसिल की बैठक नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, जीतु यादव, राजेश उदावत, नंदकिशोर पहाडिया, अभिषेक शर्मा, मनीष शर्मा मामा सहित सभी अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गैरेज संचालक की चाकू मारकर हत्या से गुस्साए लोग, शव रखकर चक्काजाम

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के रावजी बाजार इलाके में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी जब गैरेज संचालक राज (25) की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना में पुलिस ने तीन लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। राज, जो पेशे से गैरेज संचालक था, का मुख्य आरोपी रोहन से विवाद चल रहा था। बताया गया है कि रोहन लोगों से कहता था कि वे राज के गैरेज पर गाड़ियों का काम न करवाएं, क्योंकि वह अधिक पैसे लेता है। इस कारण दोनों के बीच पिछले एक हफ्ते से तनाव बना हुआ था। डीसीपी ऋषिकेश मीना के मुताबिक, हत्या के मामले में रोहन पिता राजू वर्मा, शुभम पिता राजेश फुलेरिया और प्रतीक पिता राजेश धीमान पर हत्या का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले की शिकायत मृतक के दोस्त विशाल बनोधा ने दर्ज करवाई है। वारदात के बाद इलाके में भारी आक्रोश देखा गया। सोमवार सुबह राज के परिवार के साथ सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन करते हुए आरोपियों को फांसी देने की मांग की। परिजनों ने शव रखकर चक्काजाम किया, जिसे एडिशनल डीसीपी आनंद यादव ने समझाइश देकर खत्म कराया।

पहले से थी प्लानिंग
विशाल ने पुलिस को बताया कि रविवार रात राज, सौरभ और चिंटू राजपूत के साथ मल्हार मेगा मॉल गए थे। इस दौरान राज के मोबाइल पर मुख्य आरोपी रोहन का कॉल आया। रोहन ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बाबू के खेत पर मिलने को बुलाया। जब राज अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा, तो आरोपी पहले से ही हथियारों से लैस खड़े थे। शुभम और प्रतीक ने राज को घेर लिया, और रोहन ने चाकू से उसके प्राइवेट पार्ट और पैरों पर कई वार किए। राज के दोस्त सौरभ ने बचाने की कोशिश की, जिसमें उसके हाथ में भी चोट आई। घायल राज को तुरंत एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपियों के फोटो लेकर प्रदर्शन
इस निर्मम हत्या के बाद इलाके के लोग गुस्से में हैं। सोमवार सुबह गाड़ी अड्डा इलाके में लोगों ने हाथों में तख्तियां और आरोपियों के फोटो लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी देने और इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग की। राज के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी और वह अपने चाचा-चाची के साथ रहता था। परिवार के मुताबिक, राज एक मिलनसार व्यक्ति था, जो सभी से अच्छे संबंध रखता था।

सिंकदराबाद में हुई युवक की हत्या को लेकर भी प्रदर्शन
इंदौर के सिंकदराबाद कॉलोनी में शनिवार शाम बब्बर की सिर पर सीमेंट का ब्लॉक मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद परिजनों और रहवासियों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान धार्मिक स्थल पर पथराव भी हुआ। सोमवार को बलाई समाज के लोग पलासिया स्थिति कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और आरोपियों के घर गिराने और बब्बर के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। अधिकारियों ने ज्ञापन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। समाज के प्रतिनिधि मनोज परमार ने बताया कि बब्बर की हत्या बिट्टू और उसके साथी अल्फाज ने निर्मम तरीके से की। बब्बर पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी, ऐसे में परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने आरोपियों के घर गिराने की भी मांग की। करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन के बाद, ज्ञापन देकर प्रदर्शनकारी लौट गए। पुलिस को दिए बयान में आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ता ने बब्बर को लेकर विवाद करने की बात कही थी, जिसका वीडियो भी बनाया गया था। वहीं, बब्बर के बेटे का चाकू लहराते हुए एक वीडियो भी सामने आया। डीसीपी विनोद मीणा ने कहा कि घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, बब्बर की हत्या करने वाले आरोपी छोटे-मोटे काम करते हैं और किराए के मकान में रहते थे। हत्या के बाद से आरोपी परिवार इलाका छोड़कर पलायन कर चुका है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है।

पार्षद विवाद मामले में भाजपा संगठन ने दिया यादव और कालरा को नोटिस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। भाजपा पार्षद विवाद मामले में सोमवार को भाजपा संगठन ने एमआईसी मेंबर जीतू यादव और भाजपा पार्षद कमलेश कालरा को शोकाज नोटिस दिया है। दोनो को अपना पक्ष रखने को कहा गया है। एक मोबाइल कॉल की रिकार्डिंग वायरल होने के बाद कालरा के घर पर हमला हो गया था और उन्होंने जीतू यादव पर परिजनों से मारपीट करने का आरोप लगाया था। दोनो पार्षदों के बीच हुए विवाद का मामला मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा तक पहुंच चुका है। दोनो ने जांच कर एक्शन लेने की बात कही थी। कमलेश कालरा को भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे द्वारा दिए गए नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर एक कॉल रिकार्डिंग वायरल हुई है। जिसमें आप नगर निगम कर्मचारी को धमकी दे रहे है। इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। इस मामले में दो दिन में लिखित स्पष्टीकरण देकर वास्तविकता से संगठन को अवगत कराए। उधर यादव को दिए गए शोकाज नोटिस में कहा गया है कि पार्टी के पास अआपके खिलाफ एक शिकायत आई है। जिसमे पार्षद कालरा ने उनके घर पर हुए हमले और उनके परिजनों को चोट पहुंचाने की घटना में शामिल होने की बात कही है। इस मामले में दो दिन में संगठन को स्पष्टीकरण दें। आपको बता दे कि यह मामला सामने आने के बाद चार नंबर क्षेत्र की विधायक मालिनी गौड़ ने मुख्यमंत्री से कालरा और उसके परिजनों को मिलवाया था और जीतू यादव की शिकायत की थी। रविवार को मुख्मंत्री मोहन यादव फिर इंदौर आए तो जीतू यादव अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे थे और अपनी बात रखी थी। इस मामले में पुलिस ने दोनो पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है और मामले की जांच की जा रही है।

भिखारियों के बारे में जानकारी देने वालों को बांटे गए इनाम

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर को भिखारियों से मुक्त करने के लिए प्रशासन की 1,000 रुपये की इनाम योजना को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। लोग अपने क्षेत्रों में भीख मांगने वालों के बारे में जानकारी देने के लिए आगे आ रहे हैं। इंदौर प्रशासन ने भीख मांगने पर प्रतिबंध लगा दिया है और लोगों को भिखारियों के लिए भीख देने और सामान खरीदने से मना किया है। इंदौर जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, प्रशासन ने 2 जनवरी को एक निषेधाज्ञा जारी की, जिसमें भीख मांगने वालों के बारे में जानकारी देने वालों को 1000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई. उन्होंने कहा कि भिखारियों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए एक मोबाइल फोन नंबर भी दिया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि पिछले चार दिनों में लगभग 200 लोगों ने मोबाइल नंबर पर कॉल किया है, और जांच के बाद 12 लोगों द्वारा दी गई जानकारी सही पाई गई। इनमें से छह को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में 1000-1000 रुपये मिले। अधिकारियों ने बताया कि भीख मांगने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इन आरोपों में एक साल तक की कैद या 5,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। पिछले चार महीनों में शहर में भीख मांगने वाले 400 लोगों को पुनर्वास के लिए आश्रय गृह भेजा गया है, जबकि 64 बच्चों को बाल देखभाल संस्थान भेजा गया है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने देश के 10 शहरों को भिखारी मुक्त बनाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसमें इंदौर भी शामिल है।

पार्टी मनाना पड़ गया महंगा, शोरूम से निकली कार और हो गया हादसा

इंदौर। इंदौर के लसूडिया इलाके में रविवार देर रात एक नई कार पलटने की घटना सामने आई। यह कार उसी शाम शोरूम से खरीदी गई थी और पूजा के बाद कार मालिक अपने दोस्तों के साथ पार्टी मनाने निकले थे। लौटते समय तेज रफ्तार और संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ।घटना स्कीम नंबर 114 में यशराज होटल के पास हुई। बताया जा रहा है कि पार्टी से लौटते समय कार की रफ्तार तेज थी, और अचानक स्टीयरिंग फिसलने से कार का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह पलट गई। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार में फंसे तीन युवकों को बाहर निकाला और अन्य लोगों की मदद से कार को सीधा किया। इस दुर्घटना में एक युवक को सिर पर मामूली चोट आई, जबकि दूसरे युवक का हाथ फ्रैक्चर हो गया। तीसरा युवक पूरी तरह सुरक्षित है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पलटी हुई कार और बचाव कार्य को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

खराब मौसम के चलते हैदराबाद से लखनऊ जा रहे विमान को इंदौर में उतरा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। देश के कई हिस्सों में घने कोहरे के कारण हवाई यातायात प्रभावित हो रहा है। सोमवार सुबह लखनऊ में खराब मौसम के चलते हैदराबाद से लखनऊ पहुंचा विमान उतर नहीं पाया और उसे डायवर्ट कर इंदौर लाया गया। विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-2815) सुबह 5.55 बजे हैदराबाद से रवाना होकर 8.10 बजे लखनऊ पहुंचता है। आज भी यह विमान सुबह 6.41 बजे हैदराबाद से रवाना हुआ। लेकिन जब यह लखनऊ पहुंचा तो यहां घने कोहरे के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं मिल पाई। कुछ देर हवा में चक्कर लगाने के बाद विमान को डायवर्ट कर इंदौर लाने का फैसला लिया गया, क्योंकि इससे पहले कई अन्य उड़ानें लखनऊ के आसपास के एयरपोर्ट पर भेजी जा चुकी थी और वहां अतिरिक्त जगह नहीं थी। इस पर यह विमान सुबह 10.18 बजे इंदौर पहुंचा। इसमें 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। मौसम साफ होने तक विमान को इंदौर में ही रोके रखने का फैसला लिया गया। साथ ही वापस लखनऊ जाने के लिए रिफ्युलिंग भी करवाई गई। अधिकारियों ने बताया कि 11.30 बजे यह विमान इंदौर से लखनऊ के लिए रवाना होगा।

इंदौर जिले में साढ़े छह लाख बिजली उपभोक्ताओं को मिली सब्सिडी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार, मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रत्येक पात्र बिजली उपभोक्ता को नियमित रूप से सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। जारी वित्तीय वर्ष के दौरान औसतन 48 लाख 25 हजार उपभोक्ताओं को सब्सिडी दी जा रही है। वित्तीय वर्ष के आखिर तक लगभग 9,300 करोड़ रुपये की कुल सब्सिडी दी जाएगी, जिसमें से अब तक करीब 7,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी दी जा चुकी है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के आदेशानुसार, प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। कंपनी क्षेत्र में सबसे ज्यादा इंदौर जिले में साढ़े छह लाख उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। इसके बाद उज्जैन, धार, देवास, खरगोन, रतलाम आदि जिलों में अपेक्षाकृत ज्यादा उपभोक्ताओं को पात्रता अनुसार सब्सिडी दी जा रही है। शेष अन्य जिलों में भी नियमित रूप से लाभ दिया जा रहा है। कंपनी क्षेत्र में 15 जिले आते हैं, जिनमें 48.25 लाख उपभोक्ताओं सब्सिडी का लाभ दिया गया जा रहा है। प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी स्तर पर अटल गृह ज्योति योजना में औसतन 34 लाख उपभोक्ताओं के लिए 1,815 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी का प्रावधान है। अजा, जजा वर्ग के पात्र 4.75 लाख उपभोक्ताओं को कृषि कार्य के लिए मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिस पर 2,580 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वित्तीय वर्ष में प्रावधान है। इसी तरह, अटल किसान ज्योति योजना के तहत करीब 10 लाख किसानों को 4,587 करोड़ रुपये की, 10 एचपी से ऊपर की मोटर वाले किसानों को 148 करोड़ रुपये की और उच्चदाब कनेक्शन से संबद्ध 67 उद्वहन सिंचाई योजनाओं के लिए 149 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदेश शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई है। प्रबंध निदेशक ने

इंदौर रेलवे स्टेशन पर शुरू होगा काम, अब अधिकतर ट्रेनें महू से चलेंगी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर से चलने वाली अधिकतर ट्रेनों को अब महू से चलाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इंदौर स्टेशन का रिडेवलपमेंट वर्क इस माह से शुरू होना है। इसके बाद इंदौर स्टेशन से ट्रेनों के संचालन में समस्या आएगी, जिसे देखते हुए रेलवे विभाग ने यह निर्णय लिया है कि जब तक इंदौर से चलने वाली ट्रेनों का संचालन महू से किया जाएगा। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के नवागत मंडल रेल प्रबंधक अश्विनी कुमार ने रविवार को डॉ. अंबेडकर नगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

डीआरएम ने की योजनाओं की समीक्षा
डीआरएम महू में करीब दो घंटे रहे। इस दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। साथ ही प्लेटफार्म नंबर 4 के निर्माण, लिफ्ट लगाने का कार्य, पातालपानी स्टेशन बिल्डिंग निर्माण कार्य, स्टेबलिंग लाइन निर्माण शुरू करने सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद डीआरएम कुमार कोचिंग डिपो यार्ड गए, जहां उन्होंने व्हील अलाइनमेंट की व्यवस्था देखी। साथ ही महू से चलने वाली डेमू ट्रेन के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान महू से पातालपानी तक यात्री ट्रेन चलाने को लेकर भी चर्चा की।

बनाया जाएगा वाशिंग प्लांट
बताया जा रहा है कि डीआरएम का मुख्य उद्देश्य इंदौर रेलवे स्टेशन पर आगामी दिनों में होने वाले निर्माण कार्यों के कारण महू से ट्रेनों का संचालन करने की तैयारियों का जायजा लेना था। वहीं डीआरएम ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का मेंटेनेंस महू के कोचिंग केयर डिपो में करने को लेकर दौरा किया। संचालन महू से करने की भी बात कही गई। साथ ही नए वाशिंग पॉइंट बनाने की भी बात कही। रेलवे अधिकारियों के अनुसार आगामी दिनों में इंदौर रेलवे स्टेशन पर विभिन्न तरह के निर्माण कार्य होना है। इसके चलते इंदौर से चलने वाली एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन और महू रेलवे स्टेशन से होगा।

डीआरएम ने देखी सभी व्यवस्थाएं
इसको लेकर डीआरएम ने सभी व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन का मेंटेनेंस भी महू के कोचिंग केयर डिपो में होगा। इसके साथ ही महू में एक ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन लगी हुई है, जिसमें ट्रेन आकर खड़ी होती है और उसके धुलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसमें पानी को भी रिसाइकल कर वापस उपयोग किया जा रहा है। इस तरह का एक और प्लांट बनाने को लेकर योजना बनाई जा रही है।

कभी भी जारी हो सकती है बीजेपी जिलाध्यक्षों की लिस्ट, 15 जिलों पर संकट

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। भाजपा अपने संगठन पर्व के तहत जिले और राज्यों के अध्यक्षों का निर्वाचन कर रही है। हालांकि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के प्रभाव वाले इंदौर, राकेश सिंह के प्रभाव वाले जबलपुर, गोविंद सिंह राजपूत, भूपेंद्र सिंह और गोपाल भार्गव की तनातनी वाले सागर और सिंधिया-तोमर के प्रभाव वाले ग्वालियर में खींचतान जारी है।

हालांकि प्रदेश के संगठन वाले 60 में से 40 जिलों के नामों पर सब सहमत हो चुकी हैं। दिल्ली हाईकमान से हरी झंडी मिलते ही जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी जाएगी। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश भाजपा के 15 जिला अध्यक्षों को लेकर रविवार को एक बार फिर मंथन हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत शर्मा ने प्रदेश कार्यालय में मंथन किया। यह वह विवादित जिले हैं जहां सांसद विधायकों का राजनीतिक दबाव अधिक है।

युवा और अनुभवियों को मिलेगा मौका

बताया जा रहा है कि भाजपा ने 60 संगठनात्मक जिलों में से 45 जिले फाइनल कर दिए हैं। 15 जिलों को भाजपा होल्ड कर सकती है। कहा जा रहा है कि भाजपा को सबसे ज्यादा चुनौती इंदौर, जबलपुर, नरसिंहपुर, सागर, सतना सहित अन्य जिलों को लेकर है। जबकि एक से डेढ़ साल वाले जिला अध्यक्ष रिपीट किए जा सकते हैं। इनमें युवाओं और अनुभवियों को मौका दिया जाएगा। हालांकि, चार साल से अधिक समय वाले जिला अध्यक्ष रिपीट नहीं किए जाएंगे। चार से पांच सीटों पर महिला

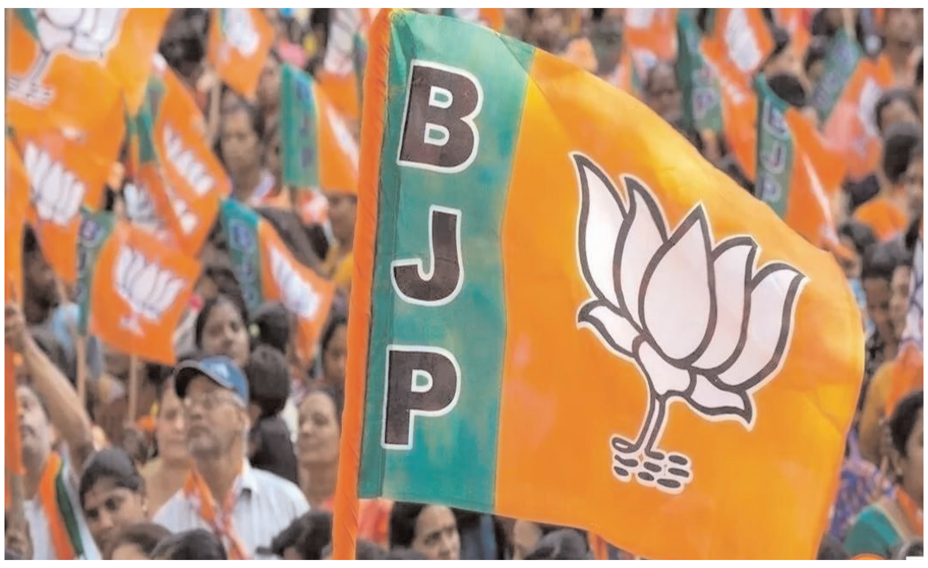

नेत्रियों को जिला अध्यक्ष बनाया जाएगा। इनमें बड़े शहरी जिलों की कमान महिला नेत्रियों को दी जा सकती है। जिला अध्यक्षों की सूची लगभग फाइनल हो गई है। बड़े शहरी जिले सागर, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में जिला अध्यक्ष को लेकर खींचतान मची हुई है। सागर में पूर्व मंत्री व विधायक गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और विधायक शैलेंद्र जैन अपने-अपने चहेतों को जिला अध्यक्ष बनाने का पार्टी पर दबाव भी बना रहे हैं। इधर इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सुमित्रा महाजन का दबाव है। ग्वालियर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने चहेतों को जिला अध्यक्ष बनवाने के लिए लगे हुए हैं तो जबलपुर में भी जिला अध्यक्ष को लेकर खींचतान मची है। नरसिंहपुर में भी जिला अध्यक्ष को लेकर यही हाल है। ऐसे में सूची एक दो दिन देरी से जारी हो सकती है। कभी भी जारी हो सकती है बीजेपी जिलाध्यक्षों की लिस्ट, 15 जिलों पर संकट, जानें कहां मिल सकते हैं नए चेहरे

भोपाल- भाजपा अपने संगठन पर्व के तहत जिले और राज्यों के अध्यक्षों का निर्वाचन कर रही है। हालांकि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के प्रभाव वाले इंदौर, राकेश सिंह के प्रभाव वाले जबलपुर, गोविंद सिंह राजपूत, भूपेंद्र सिंह और गोपाल भार्गव की तनातनी वाले सागर और सिंधिया-तोमर के प्रभाव वाले ग्वालियर में खींचतान जारी है।

हालांकि प्रदेश के संगठन वाले 60 में से 40 जिलों के नामों पर सब सहमत हो चुकी हैं।

दिल्ली हाईकमान से हरी झंडी मिलते ही जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी जाएगी। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश भाजपा के 15 जिला अध्यक्षों को लेकर रविवार को एक बार फिर मंथन हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत शर्मा ने प्रदेश कार्यालय में मंथन किया। यह वह विवादित जिले हैं जहां सांसद विधायकों का राजनीतिक दबाव अधिक है।

सास का दिमाग न चलता तो लगता 2.56 करोड़ का चूना

बैंक मैनेजर से ठगी का प्रयास घंटेभर रखा डिजिटल अरेस्ट

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। राजधानी के कोलार इलाके में रविवार शाम एक बैंक मैनेजर को साइबर ठगों ने उनके ही घर में एक घंटे तक डिजिटल रूप से बंदी बना लिया। ठगों ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर महिला को 2.56 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे मामले में फंसाने की कोशिश की। डर के मारे महिला अपने कमरे में बंद हो गई और ठगों के निर्देशों का पालन करती रहीं। परिवार को शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद ठग भाग गए। रविवार शाम करीब 4.30 बजे बैंक ऑफ इंडिया की असिस्टेंट मैनेजर, प्रणाली टिकेकर, को एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है। उन्होंने बताया कि उनके खाते से 2.56 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। महिला ने इस आरोप से इनकार किया और कहा कि उन्होंने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया। इसके बाद ठगों ने महिला को वीडियो कॉल करने को कहा। वीडियो कॉल पर वदीर्धारी पुलिस अधिकारी दिखाई दिए, जिन्होंने महिला को बताया कि उन्हें डिजिटल रूप से गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। यह सुनकर महिला डर गईं और अपने कमरे में बंद हो गईं। करीब एक घंटे तक ठग उनका बयान दर्ज करते रहे।

पुलिस को दी सूचना

घटना संदिग्ध लगने पर महिला की सास ने अपने एक रिश्तेदार को जानकारी दी। रिश्तेदार ने परिवार को कोलार थाने जाने की सलाह दी। पूरा परिवार थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। कोलार पुलिस तुरंत महिला के घर पहुंची। असली पुलिस को देखकर साइबर ठग घबरा गए। उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए और फिर कैमरा बंद करके भाग गए। एडिशनल डीसीपी मलकीत सिंह ने बताया कि महिला को करीब एक घंटे तक डिजिटल रूप से बंदी बनाकर रखा गया था। लेकिन पुलिस के आने से पहले ही ठग भाग निकले।

क्या होता है डिजिटल

डिजिटल ठगी में लोगों को घर में ही कैद करके उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ठग आपको गिरफ्तारी का डर दिखाकर घर में ही कैद कर देते हैं। वीडियो कॉल करके वे अपना बैकग्राउंड पुलिस स्टेशन जैसा दिखाते हैं। वे ऑनलाइन मॉनिटरिंग करते हैं कि आप कहां जा रहे हैं। बैंक अकाउंट सीज करने और गिरफ्तारी की धमकी देते हैं। ऐप डाउनलोड करवाकर फर्जी डिजिटल फॉर्म भरवाते हैं। डमी अकाउंट बताकर उसमें पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। डिजिटल अरेस्ट में आपको 2477 एक कमरे में कैमरे के सामने रहना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो सकता है। जो लोग अपडेट नहीं रहते, उनके डिजिटल अरेस्ट होने का खतरा ज्यादा होता है।

डिजिटल गिरफ्तारी की पहचान कैसे करें?

अगर आपको नारकोटिक्स, साइबर क्राइम, आईटी या ईडी अफसर के नाम से कॉल आए, तो सावधान हो जाएं। अगर साइबर ठग आपकी कोई ऐसी गलती बताएं, जिसके बारे में आपको पता ही न हो, तो समझ जाइए कि यह ठगी हो सकती है। अगर आपको डिजिटल अरेस्ट करने की जानकारी दी जाए, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

सीएम बोले- साहिबजादों के बलिदान को कोर्स में किया जाएगा शामिल

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिखों के 10वें गुरू खालसा पंथ के संस्थापक गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर भोपाल हमीदिया रोड गुरूद्वारा में मत्था टेका। इस अवसर पर उनहोंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरू गोबिंद सिंह ने देश और धर्म के गौरव की रक्षा तथा मूल धर्म की स्थापना के लिए अपने चार साहिबजादों और परिवार का जो बलिदान दिया उसके लिए संपूर्ण राष्ट्र नतमस्तक है। देश के स्वाभिमान और संस्कृति को विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ अपने परिवार को कुर्बान कर देने वाली गुरू जी की जीवन यात्रा सभी के लिए प्रेरणादायी है। गुरू गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर यह बताया कि देश और संस्कृति के लिए हथियार उठाकर बहादुरी के साथ लड़ना जरूरी है। धर्म, संस्कृति और इतिहास को बचाने का उनका प्रयास सम्पूर्ण विश्व के सामने एक प्रभावी, अतुलनीय और अद्भुत उदाहरण है। हर युग और हर काल में उनकी शहादत याद रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू गोबिंद सिंह इस रूप में भी भाग्यशाली थे कि उनके परिवार के छोटे से छोटे बच्चे में भी देश, धर्म व संस्कृति के लिए गौरव की अनुभूति थी और वह अपने धर्म और जीवन मूल्यों के लिए बलिदान देने के लिए तत्पर था। गुरू गोबिंद सिंह ने कई आध्यात्मिक प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास किया। उन्होंने सभी गुरूओं के पवित्र वचनों को एकत्र करते हुए गुरू ग्रंथ साहब को पंथ के मार्गदर्शक का स्वरूप प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साहिबजादों के बलिदान को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरू तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व सहित अन्य आयोजनों में राज्य शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वीर बाल दिवस 26 दिसम्बर के मौके पर गुरूद्वारा हमीदिया रोड की व्यवस्थाओं को संभालने वाले बच्चों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्मृति-चिन्ह भेंटकर अभिवादन किया गया। उन्होंने गुरूद्वारे में सेवा भी की और उपस्थित जनसमुदाय का अभिवादन किया। इस अवसर पर सुश्री नेहा बग्गा का सम्मान भी किया गया

बेखौफ चोर... पुलिस अधिकारियों के घर को ही बना रहे निशाना

सिटी चीफ भोपाल। **भोपाल।** राजधानी कहने को तो भोपाल है। यहां पर पुलिस कमिश्नरी सिस्टम चल रहा है लेकिन यहां बदमाश पुलिस से डरते नहीं! ऐसा लगता है कि वे पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। आओ, दम है तो पकड़कर दिखाओ। यह बात हम नहीं कह रहे। एक महीने के भीतर भोपाल में ऐसी तीन वारदातें हो गईं, जिसमें अधिकारी रैंक के पुलिस के 2 इंस्पेक्टर के घर चोरी हो चुकी है। एक मामले में तो चोरों ने सरकारी गाड़ी में चोरी करने पहुंचे।

ताजा मामला एक पुलिस इंस्पेक्टर के घर 20 लाख रुपए की चोरी का है। कोलार थाना क्षेत्र स्थित कवर्ड दानिश हिल्स व्यू कॉलोनी में रहने वाले इंस्पेक्टर से घर से चोर बीस लाख रुपए का माल उड़ा ले गए। यह इंस्पेक्टर रेडियो शाखा में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस का यह परिवार 31 दिसंबर से अपने शासकीय आवास में था। जब वे अपने घर पहुंचे तो चोरी हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार रेडियो शाखा में पदस्थ इंस्पेक्टर नरोत्तम चौहान की पत्नी सुमन चौहान और उनका परिवार दानिश हिल्स व्यू कॉलोनी के मकान नंबर 4/166 में रहते हैं। हालांकि ड्यूटी के चलते नरोत्तम चौहान भदभदा स्थित रेडियो कॉलोनी में अपने सरकारी आवास में रहते हैं। छुट्टियों में पत्नी-बेटे के साथ अपने निज निवास में रहने आते हैं। चोरी निजी घर में हुई। इससे पहले 19 दिसंबर को भोपाल में क्राइम ब्रांच के एक इंस्पेक्टर के घर चोरी हो गई थी। पुलिसकर्मी अपने बेटे को लेने स्कूल गया हुआ था। इस दौरान चोर ने घर का ताला तोड़कर 7 लाख रुपए और गहने चोरी कर फरार हो गया। घटना घर में सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं, 31 दिसंबर को अवधपुरी क्षेत्र में तीन चोरों ने चोरी करने के लिए सरकारी कार का उपयोग किया था। वे चोरी करने के लिए एक एएसआई के घर में घुस गए थे।

धोती-कुर्ता पहनकर खेल रहे क्रिकेट ,संस्कृत में हो रही कमेंट्री

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। भोपाल के शिवाजी नगर स्थित अंकुर खेल ग्राउंड पर सोमवार को क्रिकेट मैच का नजारा बिल्कुल अनोखा था। खिलाड़ियों ने क्रिकेट की जर्सी की जगह धोती-कुर्ता पहन रखा था और हिंदी या अंग्रेजी के बजाय संस्कृत में कमेंट्री हो रही थी। माहौल ऐसा था, मानो यह क्रिकेट का मैदान नहीं बल्कि कोई यज्ञशाला हो। हर खिलाड़ी धोती-कुर्ता के साथ मस्तक पर त्रिपुंड और तिलक लगाए हुए था। गले में रुद्राक्ष की माला पहने हर खिलाड़ी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पिच पर रन लेने के दौरान भी सिर्फ संस्कृत भाषा का उपयोग हो रहा था। भोपाल में सोमवार, 6 जनवरी से महर्षि मैत्री मैच श्रृंखला-5 की शुरूआत हुई। आचार्य वेणीप्रसाद वरिष्ठ ने बताया कि महर्षि मैत्री समिति ने यह आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भी गेंद का खेल खेलते थे। सदियों से क्रिकेट जैसी खेल परंपरा चली आ रही है। यह सांस्कृतिक और पारंपरिक खेल है, जो विचार और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए पिछले 5 सालों से यह आयोजन हो रहा है। आयोजन समिति के अवनीश त्रिवेदी ने बताया कि इस बार पूरे मध्यप्रदेश से 19 टीमें आई हैं।धोती-कुर्ता में कर्मकांडी ब्राह्मण मैच खेल रहे हैं। पहला मैच आचार्य पाणीगृही चतुवेर्दी संस्कृत वैद पाठशाला और लक्ष्मीनारायण वैद्य विद्यालय के बच्चों के बीच हुआ, जिसमें आचार्य पाणीगृही चतुवेर्दी संस्कृत वैद पाठशाला की टीम विजेता रही। भोपाल में लगातार पांचवें वर्ष यह टूनार्मेंट किया जा रहा है। यह संभवत- प्रदेश का पहला ऐसा टूर्नामेंट है, जिसमें कमेंट्री संस्कृत भाषा में हो रही है। बता दें कि काशी में भी ऐसा ही एक टूनार्मेंट होता है, जिसमें संस्कृत भाषा में कमेंट्री की जाती है।

अंधेरा होने से ईंटखेड़ी में बिजली ऑफिस में हंगामा

सिटी चीफ भोपाल। **भोपाल।** भोपाल के ईंटखेड़ी स्थित बिजली कंपनी के ऑफिस में सोमवार को महिलाओं ने हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि अफसरों ने बिजली काट दी, जिससे घरों में अंधेरा है। वहीं, ईंटखेड़ी सर्कल के जेई शिशिर शर्मा ने कहा कि करीब 35 मकानों का 7-8 हजार रुपए का बिजली बिल बकाया है। बिल भरते ही लाइट चालू कर देंगे। परवाखेड़ा चांद मस्जिद क्षेत्र की महिलाएं बच्चों के साथ ईंटखेड़ी स्थित ऑफिस में पहुंची थी। दोपहर में उन्होंने ऑफिस का घेराव कर दिया। अचानक महिलाओं के ऑफिस का घेराव करने से अफसर भी हरकत में आ गए। वे मौके पर पहुंचे और महिलाओं को समझाइश दी। जेई शर्मा ने बताया, रविवार शाम को ट्रांसफॉर्मर फेल हो गया था। इससे करीब 35 मकानों की सप्लाई बंद हो गई। इन लोगों ने बिजली का बिल भी नहीं भरा है। हर घर का सात से आठ हजार रुपए तक का बिल बकाया है। महिलाओं से बिल भरने का कहा है। इसके बाद ट्रांसफॉर्मर ठीक करवाकर बिजली सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। बिजली कंपनी के ऑफिस का घेराव करने पहुंची महिलाओं का कहना था कि इलाके की बिजली कई दिन से नहीं है। इस कारण घरों में अंधेरा रहता है। बिजली से जुड़े कई जरूरी काम भी नहीं हो पा रहे हैं। अधिकारी भी मोबाइल कॉल रिसीव नहीं करते हैं। पुलिस से कार्रवाई करने की बात भी कही जाती है। इस पर जेई शर्मा का

डबल डेकर फ्लाईओवर के लिए प्रभात चौराहे पर हटाए 25 अतिक्रमण

सिटी चीफ भोपाल। **भोपाल।** भोपाल के प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक सिस्टम के लिए 44.10 करोड़ रुपए से डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा। इसकी सर्विस लेन के लिए सोमवार को अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस की मौजूदगी में दोनों ओर से 25 अतिक्रमण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान एडिशनल डीसीपी मनप्रीत बरार, एसडीएम रवीश श्रीवास्तव भी मौजूद थे। अशोका गार्डन क्षेत्र में प्रभात चौराहे पर अतिक्रमण हटाने के यह कार्रवाई की गई। दोपहर तक 25 अतिक्रमण हटा दिए गए। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ रवि शुक्ला ने बताया, फ्लाईओवर के लिए सर्विस रोड भी बनेगी। जिस पर करीब 70 अतिक्रमण है। इन्हें हटाने के लिए लोगों को पहले ही नोटिस दे दिए गए थे। जिन्होंने अब तक अतिक्रमण नहीं हटाए, उन पर सोमवार को कार्रवाई की गई। इस ब्रिज को सरकार करीब 13 महीने पहले मंजूरी दे चुकी है। अब काम की शुरूआत होगी।

एम्स में पेट संबंधित कैंसर के लिए शुरू होगी विशेष जीआई क्लीनिक

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। एम्स के सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग पेट के कैंसर मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक नई गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) ऑनकोसर्जरी विशेष क्लिनिक की शुरूआत कर रहा है। इस क्लिनक में पाचन तंत्र, पैंक्रियास, लिवर, पित्ताशय और बाइल डक्ट सिस्टम के कैंसर से पीड़ित मरीजों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा इलाज किया जाएगा। यह विशेष क्लिनिक प्रत्येक सोमवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गैस्ट्रोसर्जरी ओपीडी में संचालित होगी। इसका उद्देश्य शुरूआती निदान और विशेष उपचार के माध्यम से मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाना है।

समय पर और सही इलाज मिल सकेगा

एम्स के सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. विशाल गुप्ता ने इस सुविधा की आवश्यकता बताते हुए कहा, हम भोजन नली, पेट, अग्नाशय, पित्ताशय, बाइल डक्ट और बड़े आंत के कैंसर से पीड़ित कई मरीजों को देखते हैं। इनमें से कई मरीज गलतफहमियों, जागरूकता की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की समस्याओं, लक्षणों की उपेक्षा और आर्थिक कठिनाइयों के कारण देर से परामर्श लेते हैं। अब इस सुविधा से मरीजों को समय पर सही जांच और उपचार मिल सकेगा।

जीआई क्लिनिक में मरीजों को मिलेगा लाभ

एम्स के डायरेक्टर डॉ अजय सिंह ने इस नए क्लिनिक को लेकर कहा कि एम्स भोपाल में सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं। संस्थान पहले ही रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और पैलिएटिव केयर सेवाएं प्रदान कर रहा है, ऐसे में जीआई कैंसर पर केंद्रित विशेष क्लिनिक मरीजों के लिए अत्यधिक लाभकारी होगा। सर्जिकल प्रबंधन के अलावा, यह क्लिनिक मरीजों की शिक्षा, प्रीहैबिलिटेशन और रिहैबिलिटेशन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे कैंसर उपचार की पूरी प्रक्रिया के दौरान समग्र और बेहतर देखभाल सुनिश्चित हो सकेगी। यह विशेष सेवा मध्य भारत में कैंसर देखभाल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सम्पादकीय

'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025' का मसौदा क्यों अहम?

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025' का मसौदा सार्वजनिक फीडबैक के लिए जारी कर दिया। इससे पहले 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट 2023' यानी डीपीडीपी आया था जो अगस्त 2023 में कानून बना। नियम इस लिहाज से अहम हैं कि ये इस अधिनियम के क्रियान्वयन ढांचे का विस्तृत ब्योरा मुहैया कराते हैं। अधिनियम तथा नियम दोनों व्यक्तित डिजिटल उपयोगकर्ताओं को 'डेटा प्रिंसिपल' (यानी जिसका डेटा है) के रूप में पेश करते हैं और अधिनियम से उम्मीद है कि वह लोगों को उनकी निजी सूचनाओं पर बेहतर नियंत्रण मुहैया कराएगा।

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025' का मसौदा सार्वजनिक फीडबैक के लिए जारी कर दिया। इससे पहले 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट 2023' यानी डीपीडीपी आया था जो अगस्त 2023 में कानून बना। नियम इस लिहाज से अहम हैं कि ये इस अधिनियम के क्रियान्वयन ढांचे का विस्तृत ब्योरा मुहैया कराते हैं। अधिनियम तथा नियम दोनों व्यक्तित डिजिटल उपयोगकर्ताओं को 'डेटा प्रिंसिपल' (यानी जिसका डेटा है) के रूप में पेश करते हैं और अधिनियम से उम्मीद है कि वह लोगों को उनकी निजी सूचनाओं पर बेहतर नियंत्रण मुहैया कराएगा। ऐसा स्पष्ट सहमति की आवश्यकता और पहुंच के अधिकार, डेटा में सुधार तथा उसे मिटाने जैसे प्रावधानों की मदद से संभव होगा। डेटा जुटाने वाले संस्थानों को 'डेटा फिड्युशरी' कहा जाता है। मसौदे में 'सहमति प्रबंधकों' के पंजीयन की व्यवस्था है जो डेटा फिड्युशरी के साथ काम करके उपयोगकर्ताओं की सहमति जुटा सकते हैं। एक खास सीमा से अधिक उपयोगकर्ताओं वाली कंपनियों को 'महत्त्वपूर्ण' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इनमें ई-कॉमर्स कंपनियां शामिल हैं जिनके पास भारत में कम से कम दो करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। इसी तरह ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के पास 50 लाख पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। सोशल मीडिया कंपनियों के पास भी करीब दो करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ता मौजूद हैं। फिड्यूशरीज की जिम्मेदारियां रेखांकित की गई हैं और महत्त्वपूर्ण डेटा फिड्युशरी के लिए ज्यादा अनुपालन जरूरतें निर्धारित की गई हैं। व्यापक तौर पर देखा जाए तो ये नियम प्रिंसिपल को अपने व्यक्तिगत डेटा पर मौजूदा की तुलना में अधिक नियंत्रण मुहैया कराता है। डेटा संग्रह और उसका इस्तेमाल ऐसे व्यक्तियों की स्पष्ट सहमति से ही किया जाना चाहिए। प्रिंसिपल अपना निजी डेटा मिटाने को भी कह सकता है। फिड्युशरी को न केवल डेटा संग्रह के लिए विशिष्ट सहमति हासिल करनी चाहिए बल्कि प्रिंसिपल को इसके उद्देश्य के बारे में भी बताना चाहिए। वे डेटा को जरूरत के बाद तीन साल से अधिक समय तक अपने पास नहीं रख सकते और डेटा को हटाने के कम से कम 48 घंटे पहले उसे इस बारे में सूचित किया जाना चाहिए और डेटा की समीक्षा का विकल्प दिया जाना चाहिए। अल्पवयस्कों, किसी खास किस्म अयोग्यता से ग्रस्त लोगों के निजी डेटा को और अधिक संरक्षण की आवश्यकता है। विधिक अभिभावकों या माता-पिता की स्पष्ट सहमति आवश्यक होगी। डेटा के उल्लंघन की स्थिति में फिड्युशरी को प्रिंसिपल को इसके बारे में सूचित करना होगा और संभावित परिणामों के बारे में बताते हुए नुकसान को न्यूनतम करने के उपाय करने होंगे। फिड्युशरी को डेटा संरक्षण अधिकारी नियुक्त करने होंगे ताकि अंकेक्षण कर सकें और सुनिश्चित कर सकें कि नए नियम प्रभावी ढंग से लागू हैं। भारतीय नागरिकों के डेटा का विदेशों में इस्तेमाल करने के लिए क्या अनिवार्यताएं होंगी यह स्पष्ट नहीं किया गया है। बहरहाल, कुछ अहम खामियां बरकरार हैं। अधिनियम अपने आप में सरकारी एजेंसियों को असीमित अधिकार देता है कि वे लोगों के डेटा संग्रहीत करें, अपने पास रखें और तमाम कामों के लिए उनका इस्तेमाल करें। अधिनियम और मसौदा दोनों डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना की बात कहते हैं लेकिन उसे अब तक नहीं बनाया गया। इसी तरह सहमति प्रबंधकों की संस्था की दिशा में भी कोई प्रगति नहीं हुई। निजी डेटा की पूरी व्यवस्था इन्हीं प्रणालियों पर टिकी है। कारोबारों को भी नए प्रावधानों को लागू करने में चुनौतियों का सामना करना होगा। इसमें सहमति के लिए विधिक अनुबंध से लेकर डेटा संरक्षण अधिकारियों और सहमति प्रबंधकों की नियुक्ति, उन्नत इनक्रिप्शन अलगोरिद्म तथा सुरक्षित प्रोटोकॉल का इस्तेमाल आदि सभी शामिल हैं। इसके लिए कारोबारी मॉडल में व्यापक बदलाव की जरूरत होगी। इसके अतिरिक्त सॉफ्टवेयर उन्नयन और नई नियुक्तियों सहित खर्च बढ़ेगा। बहरहाल, नियमों से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि देश की डेटा सुरक्षा में सुधार हो और निजता का बेहतर संरक्षण हो।

क्यों ठोकरें खाता है सरकारी नौकरी का ख्वाब?

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के परीक्षार्थियों का प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का आंदोलन तीन हफ्ते बाद भी समाप्त नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। पहला तो यह राज्यों में सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? दूसरा, देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों? उनके द्वारा भर्ती किए जाने वाले कल के अफसरों और अन्य कर्मचारियों के चयन की शुचिता क्यों नहीं रह पाती है?

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के परीक्षार्थियों का प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का आंदोलन तीन हफ्ते बाद भी समाप्त नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। पहला तो यह राज्यों में सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? दूसरा, देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों?

उनके द्वारा भर्ती किए जाने वाले कल के अफसरों और अन्य कर्मचारियों के चयन की शुचिता क्यों नहीं रह पाती है? ऐसा होने के लिए जिम्मेदार कौन है, सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले या फिर इन रुआबदार नौकरियों के लिए परीक्षा आयोजित करने वाले? तीसरे, इन धांधलियों पर लगाम कब लगेगी और कौन लगाएगा?

बीपीएससी की 70 वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (सीपीई) के पेपर लीक होने की खबर के बाद से गुस्साए परीक्षार्थी सड़कों पर उतरे हुए हैं और पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। गड़बड़ी की गंभीर शिकायतों के बीच बीपीएससी ने 4 जनवरी को री-एग्जाम (पुनर्परीक्षा) भी आयोजित की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ, क्योंकि परीक्षार्थियों को बीपीएससी पर ही भरोसा नहीं है। (हालांकि किसी संस्था पर से भरोसा उठ जाना भी समस्या के समाधान में मददगार नहीं होता)। व्यवस्था और तंत्र पर आपको कुछ तो यकीन रखना ही होगा।

बीपीएससी ने इतना जरूर माना कि बापू परिसर परीक्षा केंद्र पर पेपर लीक हुआ, लेकिन उसने समूची परीक्षा रद्द करने से इंकार कर दिया। शक यह भी है कि परीक्षार्थियों के सड़कों पर उतरने के पीछे कोचिंग क्लास माफिया का हाथ है, क्योंकि वो सभी प्रतियोगी परीक्षाएं अपनी सुविधा और स्वार्थ के हिसाब से करवाना चाहते हैं, न होने पर आंदोलन करवा देते हैं। उधर यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है।

शुरू में कुछ विपक्षी दलों ने आंदोलनकारी परीक्षार्थियों के साथ खड़ा दिखने की कोशिश की, लेकिन बाद में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर द्वारा आंदोलन को हाईजैक करता देख, दूसरे दलों ने इससे दूरी बना ली। सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दल तो इस आंदोलन को शुरू से प्रायोजित और नीतीश सरकार को बदनाम करने वाला बता रहे हैं। हालांकि कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर मामला नहीं सुलझा तो परीक्षार्थियों का यह आंदोलन मिनी अन्ना आंदोलन में भी तब्दील हो सकता है, जो सत्तारूढ़ एनडीए के लिए खतरे की घंटी है।

बिहार के छात्रों में राजनीतिक चेतना वैसे भी दूसरों से ज्यादा है, लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा या फिर राज्य की नीतीश सरकार इसे जितना लटकाएगी, उतना ही आंदोलन स्वतः कमजोर होता जाएगा, इसका उत्तर मिलना अभी बाकी है। वैसे आंदोलनकारी परीक्षार्थियों का मानना है कि असल में खतरे की घंटी तो नीतीश सरकार के लिए है, क्योंकि राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस आंदोलन को लेकर बेफिक्र दिखते हैं। उन्हें नहीं लगता कि प्रदेश के हजारों प्रतियोगी परीक्षार्थियों की नाराजगी आगामी विधानसभा चुनाव में उनके लिए पानीपत साबित हो सकती है। उनकी निगाह में यह आंदोलन भी बुलबुला है, जो फूट जाएगा क्योंकि इस आंदोलन की हवा को चुनाव तक खींचना टेढ़ी खीर है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर देश में अलग-अलग राज्यों में होने वाले विभिन्न आंदोलनों में बीपीएससी अभ्यर्थियों का आंदोलन अब तक का सबसे लंबा आंदोलन है। इसके पहले हमने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में भी सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित राज्य लोक सेवा आयोगों की परीक्षाओं में गड़बड़ी और मनमाने फैसलों के खिलाफ परीक्षार्थियों को सड़कों पर उतरते देखा है।

इससे एक बात साफ है कि आजकल अपवादस्वरूप ही कोई प्रतियोगी परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होती है। कहीं नीयत में खोट है तो कहीं व्यवस्था में जबर्दस्त खामियां हैं।

परीक्षा आयोजन में प्रौद्योगिकी का बढ़ता इस्तेमाल उसकी शुचिता, पारदर्शिता और त्वरितता के लिए कम, हेराफेरी के लिए ज्यादा होता दिख रहा है। अव्वल तो राज्यों में सरकारी भर्ती के विज्ञापन ही कम निकलते हैं। निकले भी तो उसमें दस गलतियां होती है या जानबूझकर की जाती हैं। मान लीजिए कि विज्ञापन के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तारीखें घोषित हो भी गईं तो तय तिथि को परीक्षा हो जाए तो खुद को किस्मत वाला समझिए।

अगर परीक्षा भी समय पर हो गई तो परीक्षा के पेपर लीक होना, पर्चे बिकना, फिर रिजल्ट बरसों लटके रहना, रिजल्ट भी आ जाए तो नियुक्ति पत्र मिलने के लिए बरसों इंतजार करने की मजबूरी अब आम बात हो गई है। केवल यूपीएससी की परीक्षाएं काफी हद तक बेहतर ढंग से हो रही हैं। वरना अन्य प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को हर बात में इंसाफ के लिए या तो सड़कों पर आना पड़ता है या फिर कोर्ट की शरण लेनी पड़ती है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका न तो कोई जवाबदेह है और न ही किसी को इसकी चिंता है। जबकि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

बीपीएससी की कहानी भी इससे अलग नहीं है। वहां बरसों बाद बड़े पैमाने पर द्वितीय श्रेणी के सरकारी पदों पर भर्तियां निकली थीं। लेकिन उसमें भी अफरा तफरी हुई। बताया जाता है कि बीपीएससी में पेपर लीक का विवाद परीक्षा के बापू सेंटर से शुरू हुआ। वहां कुछ पेपर कम पड़ गए थे तो दूसरे केन्द्र से मंगवाने पड़े। जिससे कई परीक्षार्थियों को थोड़े समय के अंतर से पेपर मिले। यकीनन यह बीपीएससी की बड़ी लापरवाही थी। अगर आयोग पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थियो को प्रश्नपत्र भी उपलब्ध नहीं करा सकता तो इसे क्या कहा जाए?

इस बीच खबर फैली कि पेपर लीक हो चुका है। यह सुनते ही छात्र भड़क गए और उन्होंने पेपर का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच एक आंदोलनकारी को पटना डीएम ने तमाचा जड़ दिया।

उधर बीपीएससी का कहना है कि मामला चूंकि एक ही सेंटर का था इसलिए पूरी परीक्षा रद्द करने का सवाल ही नहीं है। लेकिन इस दलील पर परीक्षार्थियों को भरोसा नहीं हो रहा। उनका आंदोलन उग्र हो गया तो पुलिस ने लाठियां भी बरसाईं। अब जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर इस आंदोलन के पुरोधा बनकर अपनी सियासी जमीन तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच कुछ अन्य नेताओं जैसे तेजस्वी यादव आदि ने भी शुरू में आंदोलनकारियों से सहानुभूति जताई, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया। अब परीक्षार्थियों का कहना है कि वे मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट जाएंगे।

कुलमिलाकर बिहार पीएससी परीक्षार्थियों को कोई राहत जल्द मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। हमने पिछले साल नंवबर में उत्तर प्रदेश पीएससी के परीक्षार्थियो का आंदोलन भी देखा,जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ था। वहां परीक्षार्थी यूपीपीएससी द्वारा नार्मलाइजेशन प्रक्रिया के बजाए पर्सटाइल पद्धति से परीक्षा कराने, पूरी परीक्षा एक ही पाली में कराने की मांग को लेकर आंदोलन पर उतरे थे।

बता दें कि नॉर्मलाइजेशन से तात्पर्य किसी भी परीक्षा में परीक्षार्थियों की तादाद बहुत ज्यादा होने पर आयोजक दो पालियों में परीक्षा कराते हैं। ऐसे में अगर पहली पाली का पेपर कठिन आता है और उसमें अभ्यर्थियों के कम नंबर आते हैं तो दूसरी पाली का पेपर थोड़ा आसान होता है और उसमें अभ्यर्थियों के ज्यादा नंबर आते हैं तो कठिन पेपर वाली पाली के अभ्यर्थियों के नंबर में थोड़ी बढ़ोतरी कर दी जाती है। यही नॉर्मलाइजेशन कहलाता है। विरोध कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि यह खेल के बीच नियम बदलने जैसा है और इसमें धांधली की पूरी गुंजाइश है। लिहाजा समूची परीक्षा एक ही पाली में कराई जाए। सवाल यह है कि जब यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा एक पाली में कराती है तो राज्य सेवा आयोग ऐसा क्यों नहीं कर सकते? इसी तरह बीते दिसंबर में मप्र के इंदौर में नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने न्याय यात्रा निकाली थी। उनकी मांग थी कि एमपीपीएससी की 2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखाई जाएं और इसकी मार्कशीट जारी की जाए। साथ ही सभी विज्ञापित पदो पर एक साथ भर्ती की जाए। आंदोलनकारियों ने इंदौर में मप्र लोक सेवा आयोग के मुख्यालय पर धरना भी दिया। बाद में सरकार के दखल के बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन समाप्त किया। इसी तरह महाराष्ट्र में ठाकरे राज में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा प्रस्तावित परीक्षाएं कोरोना के कारण रद्द करने पर नाराज अभ्यर्थियों ने राज्यव्यापी आंदोलन किया था।

चीनी यात्री ह्वेनसांग भी प्रयाग के कुंभ में शामिल हुए थे

महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। ऐसे में महाकुंभ के बारे में जानना जरूरी हो जाता है।

इतिहास में कुंभ मेले की शुरुआत का प्राचीनतम वर्णन सातवीं सदी में सम्राट हर्षवर्धन के समय मिलता है। उस वक्त भारत आए चीन के प्रसिद्ध तीर्थयात्री ह्वेनसांग के बारे में कहा जाता है कि वह प्रयाग के कुंभ में शामिल हुए थे। इसी प्रयागराज में हर्ष ने धर्म परिषदों का भी आयोजन किया था। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य को बाकायदा इसकी शुरुआत का श्रेय दिया जाता है। जिन्होंने पूरे भारत में सनातन धर्म को फिर से स्थापित करने के लिए कुंभ मेले के आयोजन की शुरुआत की थी।

कुंभ मेले में पहले स्नान का नेतृत्व संतों द्वारा किया जाता है, जिसे कुंभ के शाही स्नान (अब राजसी स्नान) के रूप में जाना जाता है और यह सुबह 3 बजे शुरू होता है। संतों के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह माना जाता है कि जो इन पवित्र नदियों के जल में डुबकी लगाते हैं, वे अनंत काल तक पाप मुक्त भी हो जाते हैं और उन्हें मोक्ष मिल जाता है। दुनिया की सबसे बड़ी सभा कुंभ मेले को यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल किया गया है।

महाकुंभ की कथा अजब है। कुंभ पर्व के आयोजन को लेकर एक प्रचलित कथा यह है कि देवों और दानवों के बीच समुद्र मंथन से हासिल अमृत को लेकर छीना-झपटी में कुंभ से अमृत की चार बूंदें धरती पर आ गिरी थीं, तभी से प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में कुंभ मेले का आयोजन होने लगा। भागवत पुराण के अनुसार, महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र समेत सभी देवता कमजोर पड़े तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें हरा दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हे सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करने सलाह दी। इसके बाद सभी देवताओं और दैत्यों ने मिलकर समुद्र मंथन किया। जब कुंभ यानी घड़े में भरा अमृत निकला तो देवताओं के इशारे से इंद्र का बेटा जयंत कौवे का रूप धारण कर अमृत कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के आदेशानुसार दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयंत का पीछा किया और रास्ते में ही जयंत को पकड़ लिया। इसके बाद अमृत कुंभ के लिए देवताओं और दानवों में 1 दिन तक युद्ध चलता रहा।

पद्मपुराण के अनुसार, मोहिनी भगवान विष्णु का एकमात्र स्त्री अवतार है। इसमें उन्हें ऐसे स्त्री रूप में दिखाया गया है जो सभी को मोहित कर ले। उसके मोह में वशीभूत होकर कोई भी सब भूल जाता है। इस अवतार का जिक्र महाभारत में भी है। समुद्र मंथन के समय जब देवताओं व असुरों को सागर से अमृत मिल चुका था, तब देवताओं को यह डर था कि असुर कहीं अमृत पीकर अमर न हो जाएं। तब वे भगवान विष्णु के पास गए। भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लेकर अमृत देवताओं को पिलाया व असुरों को मोहित कर अमर होने से रोका।

समुद्र मंथन के दौरान अंतिम रत्न अमृत कलश लेकर भगवान विष्णु धन्वंतरि के रूप में प्रकट हुए। असुर भगवान धन्वंतरि से अमृत कलश लेकर भाग गए तो विष्णु ने धन्वंतरि के रूप को त्यागकर एक नारी का रूप लिया। जो इतनी सुंदर थी कि उस नारी का नाम मोहिनी रखा गया। मोहिनी ने असुरों से अमृत लिया और देवताओं के पास गईं। उन्होंने असुरों को अपनी ओर मोहित कर लिया और देवताओं को अमृत पिलाने लगीं।

मोहिनी रूपी विष्णु की चाल स्वरभानु नाम का दानव समझ गया और वह देवता के वेश में अमृत पीने चला गया। मोहिनी को जब ये बात पता चली तो उन्होंने स्वरभानु का सिर सुदर्शन चक्र से काट दिया किंतु तब तक उसके गले से अमृत की घूंट नीचे चली गई और वह अमर हो गया और राहु के नाम से उसका सिर और केतु के नाम से उसका धड़ प्रसिद्ध हुआ।

ऐसा कहा जाता है कि इस युद्ध के दौरान प्रथ्वी के चार स्थानों पर अमृत कलश की कुछ बूंदे गिरी थी। जिनमें से पहली बूंद प्रयागराज में, दूसरी हरिद्वार में, तीसरी बूंद उज्जैन और चौथी नासिक में गिरी थी।

छत्तीसगढ़ में कन्या शिक्षाः चुनौतियाँ, ड्रॉपआउट की समस्या और सरकारी प्रयास।

रायपुर, छत्तीसगढ़ में कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन अभी भी चुनौतियाँ बरकरार हैं। लड़कियों के नामांकन में बढ़ोतरी के बावजूद स्कूल छोड़ने (ड्रॉपआउट) की समस्या, स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और सामाजिक-आर्थिक कारणों से यह क्षेत्र कई मुद्दों से जूझ रहा है।

छत्तीसगढ़ में लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। लड़कियों के ड्रॉपआउट का प्रतिशत 24ब है, जो राज्य में कन्या शिक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

1.स्वच्छता और शौचालय की कमी- राज्य के लगभग 30ब स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं।मासिक धर्म के दौरान सुविधाओं की कमी और पानी की अनुपलब्धता के कारण लड़कियाँ स्कूल छोड़ने पर मजबूर हो जाती हैं।

2.सामाजिक कारण- बाल विवाह- ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में कम उम्र में लड़कियों की शादी एक आम समस्या है।लिंग भेदभाव- समाज में लड़कियों की शिक्षा को लड़कों के मुकाबले कम प्राथमिकता दी जाती है।

3.आर्थिक दबाव- गरीबी और आर्थिक संकट के चलते लड़कियों को पढ़ाई छोड़कर घरेलू कार्यों और मजदूरी में लगाया जाता है।

4.सुरक्षा और परिवहन की समस्या- दूरस्थ क्षेत्रों में स्कूलों की दूरी और सुरक्षित परिवहन की कमी माता-पिता को लड़कियों को स्कूल भेजने से रोकती है।

5.शिक्षा की गुणवत्ता- कई स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं या पढ़ाई की गुणवत्ता खराब होती है, जिससे माता-पिता लड़कियों को पढ़ाने में रुचि नहीं लेते।

छत्तीसगढ़ राज्य में स्वच्छता और पानी की समस्या को हल करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण ने कुछ वर्षों पहले एक महत्वपूर्ण योजना तैयार की थी। जिसके तहत स्कूलों के शौचालयों की मरम्मत कर वहां सौर पंपों की मदद से पानी ओवरहेड टैंक में स्टोर किया जाना था, जिससे शौचालयों में पाइप के माध्यम से नियमित पानी का प्रवाह हो सके।यह

योजना स्कूलों में लड़कियों के लिए स्वच्छ और उपयोगी शौचालय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई थी।पर शासन से स्वीकृति व धनराशि के अभाव के चलते यह योजना क्रियान्वित नहीं की जा सकी। यदि यह योजना लागू हो जाती, तो यह न केवल लड़कियों की स्कूल उपस्थिति बढ़ाने में मददगार होती, बल्कि शौचालयों की सफाई और पानी की समस्या का समाधान भी करती। हालाँकि राज्य और केंद्र सरकारें कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं और नीतियों पर काम कर रही हैं।

प्रमुख योजनाएँ और नीतियाँ-

1.मुख्यमंत्री कन्या छात्रवृत्ति योजना-
स्कूल जाने वाली लड़कियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

2.साइकिल वितरण योजना-
दूरदराज के इलाकों में स्कूल जाने वाली छात्राओं को साइकिल दी जाती है।

3.मध्याह्न भोजन योजना-
स्कूलों में मुफ्त भोजन की व्यवस्था ने लड़कियों की स्कूल उपस्थिति को बढ़ावा दिया है।

4.आवासीय विद्यालय-
आदिवासी और दूरस्थ इलाकों में लड़कियों के लिए आवासीय विद्यालय खोले गए हैं।

5.स्वच्छ भारत मिशन-
इस योजना के तहत स्कूलों में शौचालय निर्माण का काम किया जा रहा है। हालांकि, अभी भी 30ब स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की कमी है।

कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने एवं ड्राप आउट छात्राओं को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं-

1.स्वच्छ शौचालयों का निर्माण और क्षतिग्रस्त शौचालयों का सुधार

2.जागरूकता अभियान- बाल विवाह, लिंग भेदभाव और मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।

3.सुरक्षित परिवहन- लड़कियों को स्कूल जाने के लिए मुफ्त और सुरक्षित परिवहन सुविधाएँ दी जाएँ।

4.शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार-
स्कूलों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और शिक्षण स्तर को बेहतर बनाया जाए।

5.परिसरों में कन्याओं की सुरक्षा- आजकल शालाओं में छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार व यौन अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर के झलियामारी एवं बलरामपुर जिले में आदिवासी छात्राओं के साथ ज्यादती के शर्मनाक प्रकरण हो चुके हैं। कुछ स्कूलों में शिक्षकों के शराब पीकर स्कूल आने और छात्राओं के साथ छेडछाड के प्रकरण भी हुए हैं। ऐसे में छात्राओं और उनके पालकों में शालाओं में बच्चियों की सुरक्षा की चिंता होना स्वाभाविक है। शासन को इस संबंध के कड़े कदम उठा कर छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी ।

6.समुदाय की भागीदारी- पंचायतों और स्थानीय समुदायों को शौचालय निर्माण और रखरखाव में शामिल किया जाए।

छत्तीसगढ़ में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रयास हो रहे हैं, लेकिन ड्रॉपआउट की समस्या और बुनियादी सुविधाओं की कमी बड़ी बाधाएँ हैं।लड़कियों की शिक्षा में निवेश केवल उनके अधिकारों की रक्षा नहीं करता, बल्कि यह समाज की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का आधार भी बनता है। सरकार, समुदाय और परिवारों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहाँ हर लड़की अपनी शिक्षा पूरी कर सके।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

नाबालिग चालकों पर शिकंजा छत्तीसगढ़ में कड़े नियम लागू

परिजनों की लापरवाही पर भारी जुर्माना और जेल

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ सरकार ने नाबालिग चालकों द्वारा सड़कों पर बढ़ते हादसों को रोकने के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। अब यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे 25 वर्ष की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। साथ ही, उसके परिजनों को ?25,000 का जुर्माना और तीन साल तक की जेल हो सकती है। इस नियम को लागू करने की प्रेरणा देशभर में नाबालिग चालकों द्वारा किए गए गंभीर हादसों से मिली है। उदाहरण के तौर पर, पुणे में एक हाई-एंड पोर्शा कार द्वारा किया गया भयावह हादसा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। इस मामले में एक नाबालिग ने अपने रसूखदार परिजनों की कार लेकर हाई स्पीड में कुछ लोगों को कुचल दिया।यह हादसा परिजनों की लापरवाही का उदाहरण था, जो बच्चों की गलतियों को नजरअंदाज करते हुए उन्हें महंगी और तेज रफ्तार गाड़ियां सौंप देते हैं। भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.5 लाख लोग अपनी जान गंवाते हैं। इनमें से एक बड़ा प्रतिशत उन हादसों का होता है, जो नाबालिग चालकों के कारण होते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में शामिल कुल वाहनों में 6त्न से अधिक मामलों में नाबालिग चालक होते हैं। यह आंकड़े चिंताजनक हैं और सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। नाबालिगों को वाहन चलाने देना परिजनों की लापरवाही और सामाजिक प्रभाव का परिणाम है। अक्सर देखने में आता है कि रसूखदार परिवार अपने बच्चों को महंगी गाड़ियां देते हैं, यह सोचकर कि वे नियमों से ऊपर हैं। यह प्रवृत्ति न केवल बच्चों के जीवन को खतरे में डालती है, बल्कि दूसरों की जान-माल को भी नुकसान पहुंचाती है। छत्तीसगढ़ सरकार के नए नियमों के अनुसार यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा गया तो उसे 25 साल तक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिलेगा।साथ ही उसके परिजनों को ?25,000 का जुर्माना और तीन साल तक की जेल होगी।यदि वाहन मालिक यदि अलग व्यक्ति है तो भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सड़क हादसे न केवल जान-माल का नुकसान करते हैं, बल्कि प्रभावित परिवारों पर मानसिक और आर्थिक बोझ भी डालते हैं। पुणे पोर्शा कार जैसी घटनाएं बताती हैं कि केवल नियम बनाने से काम नहीं चलेगा, उन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है। यह समय है कि परिजन और समाज मिलकर इस समस्या का समाधान करें। बच्चों को यह समझाने की जरूरत है कि वाहन चलाना एक जिम्मेदारी है, न कि रोमांच का जरिया। सख्त नियम और उनकी अनुपालना ही सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकती है। छत्तीसगढ़ सरकार के इस कदम से न केवल सड़क हादसों में कमी आएगी, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

भिलाई स्टील प्लांट में ब्लास्ट फर्नेस-5 में बड़ा विस्फोट

अफरा-तफरी का माहौल

राजीव खरे । सिटी चीफ भिलाई, भिलाई स्टील प्लांट में सोमवार को एक बड़ा हादसा हुआ। प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस-5 में अचानक हुए विस्फोट से वहां काम कर रहे श्रमिकों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट के कारण गर्म लोहा (मोल्टन मेटल) चारों तरफ फैल गया, जिससे बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया। विस्फोट के समय ब्लास्ट फर्नेस-5 में नियमित संचालन चल रहा था। अचानक हुए धमाके से फर्नेस के अंदर जमा गर्म लोहा तेज़ी से बाहर बिखर गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में कुछ श्रमिक झुलस गए हैं। दुर्घटना के बाद प्लांट प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया।विस्फोट के कारणों की अभी जांच की जा रही है। प्राथमिक तौर पर फर्नेस में दबाव बढ़ने और उपकरणों की खराबी को संभावित कारण माना जा रहा है। भिलाई स्टील प्लांट पहले भी कई बड़ी दुर्घटनाओं का गवाह बन चुका है। इस हादसे ने पुराने हादसों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई और बड़ी संख्या में कर्मचारी घायल हुए थे।अक्टूबर 2018 में भिलाई स्टील प्लांट में गैस पाइपलाइन में विस्फोट हुआ था। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई थी और 14 से अधिक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए थे।इस हादसे का कारण सुरक्षा मानकों की अनदेखी और उपकरणों की नियमित जांच में कमी को बताया गया था। 2014 में कोक ओवन बैटरी नंबर 11 में आग लग गई थी, जिसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। इसी प्रकार वर्ष 2013 में ब्लास्ट फर्नेस में गैस रिसाव के कारण बड़ा हादसा हुआ था।इस दुर्घटना में छह कर्मचारियों की मौत हो गई थी। प्लांट प्रशासन ने वर्तमान हादसे के बाद स्थिति को नियंत्रण में लेने की बात कही है। सेल (Steel Authority of India Limited) और भिलाई स्टील प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। हादसे के तुरंत बाद प्रारंभिक कदम उठाते हुए कारणों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का

गठन किया गया है।साथ ही निर्णय लिया गया है कि प्लांट के वसभी उपकरणों और सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। घायलों और प्रभावित कर्मचारियों के लिए मुआवजे की घोषणा जल्द की जा सकती है। बार-बार होने वाले हादसों ने भिलाई स्टील प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्लांट में कई मशीनें और उपकरण पुराने हैं, जिनकी समय-समय पर उचित मरम्मत नहीं होती।पहले हुए हादसों की जांच रिपोर्ट में यह पाया गया है कि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया।कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण और प्रशिक्षण की कमी एक प्रमुख कारण है। भिलाई स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ की औद्योगिक रीढ़ है, लेकिन बार-बार होने वाले हादसों से आम जनता और श्रमिकों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई है।लगातार हादसों के कारण कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे हादसे पर्यावरण और आस-पास के लोगों की सेहत पर भी बुरा असर डालते हैं। भिलाई स्टील प्लांट जैसे बड़े औद्योगिक संस्थानों में बार-बार होने वाले हादसे सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर करते हैं। यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि श्रमिकों और उपकरणों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाना आवश्यक है। अब देखना यह है कि क्या यह घटना प्लांट प्रशासन को सुरक्षा उपायों में सुधार करने के लिए प्रेरित करेगी, या यह भी पुराने हादसों की तरह जांच और मुआवजे तक ही सीमित रह जाएगी।

चोरो ने किया पोंनाग मंदिर पर हाथ साफ़ भगवान कृष्ण की मूर्ति लेकर चम्पत हुए चोर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में चोरी की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन घरों का ताला तोड़कर चोरी की घटना हो रही है। अब तो चोरों ने दिनदहाड़े कृष्ण भगवन की मूर्ति मंदिर से चोरी कर ली है। मंदिर के पुजारी पूजा कर दूसरे मंदिर में गए तभी अज्ञात चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरु कर दी है। मंदिर से भगवान की चोरी की जानकारी मिलने के बाद भक्तों की काफी भीड़ यहां इकट्ठा हो गई है। जानकारी के अनुसार सोहागपुर थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस के सामने स्थित पोंनाग मंदिर में राधा कृष्ण मंदिर में स्थापित प्रतिमा चोरी हुई है। यह प्रतिमा कृष्ण भगवान की है। जोकि अष्टधातु की थी, मंदिर के पुजारी मोहन पांडा ने बताया कि सोमवार की शाम तकरीबन 6ः00 बजे वह राधा कृष्ण मंदिर में पूजा कर दूसरे मंदिर में पहुंचे और कुछ देर बाद राधा कृष्ण मंदिर का गेट बंद करने जब पहुंचे तो वहां से कृष्ण भगवान की मूर्ति गायब थी, जिसके बाद मंदिर के पुजारी ने इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को दी। जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में लोग यहां इकट्ठा हो गए और इस घटना की जानकारी सोहागपुर पुलिस को दी गई।

इनका कहना है

घटना की जानकारी मिलने के बाद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच पड़ताल कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि राधा कृष्ण मंदिर में कृष्ण भगवान की मूर्ति साथ रखी थी, जिसे किसी अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली है। घटना सोमवार की शाम तकरीबन 6ः00 बजे की है मंदिर के पुजारी जब गेट बंद करने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कृष्ण भगवान की मूर्ति गायब है। पुजारी ने मामले की जानकारी हमें दी है हम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच पड़ताल कर रहे हैं। जल्द ही भगवान की प्रतिमा बरामद की जाएगी।

भूपेंद्र मणि पांडे, थाना प्रभारी

ट्रैफिक का बढ़ता दबाव, आवागमन में बाधा

बेजा अतिक्रमण- कौन लील गया सड़क, परेशान आमजन

शहडोल, शहर के मुख्य बाजारों में अतिक्रमण होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। मुख्य बाजार में अतिक्रमण होने के कारण जाम लग जाता है। शहर में दुकानदारों ने दोनों साइड 10-10 फीट तक सामान रखा हुआ है। इसके कारण शहर में जाम लगा रहता है। जब यहां से बड़े वाहन गुजरते है तब अतिक्रमण के कारण उनके जगह नहीं मिलती। नगरपालिका की ओर से शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के दावे अभी तक धरातल पर नजर नहीं आए हैं। बीते दिनों नगरपालिका परिषद् शहडोल ने महज़ एकाध लोगो पर अतिक्रमण अभियान चलाकर सबक सिखाया है। लेकिन रसूखदार लोगो ने बेजा अतिक्रमण करते हुई सीधे सीधे सड़क ही लील लिया है, जिसके

चलते शहडोल का नागरिक ट्रैफिक के चलते हर दिन परेशान होता है। से सिमटती है सड़क.. मिली जानकारी के अनुसार शहर की अच्छी खासी चौड़ी सड़कें दिन के समय सिमटकर रह जाती हैं। काफी जगह सड़कें 30 से 35 फीट तक चौड़ी हैं, लेकिन दिन के समय इन सड़कों पर निकलना दुर्भर हो रहा है। दुकानदार सड़क के दोनों ओर सामान बाहर रखकर अतिक्रमण तो करते ही हैं। उसके बाद उनके आगे वाहन लग जाते हैं, जिससे अच्छी खासी चौड़ी सड़क एक गली का रूप ले लेती है। इसके अलावा सड़कों पर कहीं रेहड़ी वाले खड़े होते हैं। बाजार में आने वाले ग्राहक भी कम नहीं हैं वो अपने वाहनों को बीच सड़क के ऊपर खड़ा कर खरीदारी के लिए दुकान में चले जाते हैं। वाहन खड़ा करके एक-दो घंटे में वापस आते है। नगरपालिका इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। बाजार में जाम लगने के कारण बाइक चालकों को मजबूरीवश गलियों में से जाना पड़ रहा है।

पांच मिनट की दूरी में आधा घंटा.. शहर के रेलवे स्टेशन रोड, सब्जी मंडी गंज रोड, गाँधी चौक, इंदिरा चौक से नया बस स्टैंड रोड, बाणगंगा बाईपास रोड, पाली रोड. सिंहपुर रोड इत्यादि में किये अतिक्रमण के चलते दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। दोपहर के समय यहां से गुजरने वाले सैकड़ों की संख्या में स्कूली वाहन लोगों की ओर परेशानी बढ़ा रहे हैं। जाम के कारण मात्र पांच मिनट के रास्ते में 30 मिनट का समय लग जाता है।

देवरी पंचायत में सभामंच का भूमिपूजन व साप्ताहिक बाजार का शुभारंभ

विधायक अनुभा मुंजारे की निधि से बनेगा सभामंच

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, बालाघाट लालबर्रा विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी में विधायक निधि से सभा मंच की सौगात दी गई हैं। सभा मंच के निर्माण कार्य का आज 6 जनवरी को भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर यहां पर साप्ताहिक हाट बाजार का भी शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत की ओर से सभामंच प्रदाय करने की मांग की गई थी। विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा अपनी विधायक निधि से राशि स्वीकृति देकर सभामंच ग्राम पंचायत देवरी में प्रदाय किया गया। सभा मंच बनने से ग्रामीणों को अपने गांव के तमाम कार्यक्रम को इस मंच के माध्यम से सम्पन्न करने में मदद मिलेगी। विधायक अनुभा मुंजारे ने इस दौरान कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर कार्य किये जा रहे हैं। शासन स्तर पर बड़े कार्यो के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। वही कुछ आवश्यक कार्य को विधायक विकास निधि से कराने का प्रयास हो रहा हैं। ग्राम पंचायत देवरी में सभामंच का भूमिपूजन उसी का एक हिस्सा हैं। हम अपने गांव के विकास को लेकर कार्ययोजना में रखे हुये हैं। जहां पर जिन कार्यो की आवश्यकता होगी उसे कराने का प्रयास किया जायेगा। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता हैं पर नियत हमारी साफ होने चाहिए। काम करने वाले अपने

हिस्से में कार्य को प्राप्त कर लेता हैं। यह अलग बात है कि हम विपक्ष में है बावजूद हम अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन कर रहे हैं। आपके आर्शीवाद से हम इस स्थान पर हैं निश्चित ही आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास रहेगा। वही जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार ने कहा कि पंचायतराज अधिनियम में सरकार ने कई ऐसे कार्य को छिन लिये हैं जो कि पूर्व की दिग्विजय सिंह सरकार द्वारा प्रदाय किये गये थे। बावजूद गांवों के विकास में जिला पंचायत का अहम योगदान जारी हैं। निश्चित ही विधायक निधि से ग्राम देवरी में सभामंच का निर्माण होना हैं। जिसके बनने के बाद ग्रामीणों को कई कार्यक्रम आयोजित करने में मदद मिलेगी। गांव के लोग एक साथ इस मंच पर बैठककर अपने गांव के कार्यो से लेकर तमाम विषयों पर रायशुमारी कर सकेगें। बता देवें कि लालबर्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी ददिया में विधायक अनुभा मुंजारे की विधायक विकास निधि से नव निर्माण सभा मंच निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान साप्ताहिक हाट बाजार का शुभारंभ भी किया गया। उक्त सभामंच भूमि पूजन समारोह के पश्चात मंचासीन कार्यक्रम मां सरस्वती की पूजा के साथ प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि के रूप में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार,पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधुसूदन शर्मा,जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि अनीश खान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाणेश्वर,विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वही आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सरपंच सेवकराम पटले,जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर,सुमित स्वामी,अधिवक्ता पवन गौतम, लेखराम हरिनखेड़े,ताराचंद बोपचे,पूर्व सरपंच श्री मड़ावी, श्रीमती प्रमिला मुन्नालाल पटेल सरपंच ग्राम पंचायत देवरी, उपसरपंच अशोकनाथ बडगूजर ग्राम पंचायत देवरी, ग्राम पंचायत सचिव कमलेश चौहान,रोजगार सहायक पंकज पाटिल,पूर्व जनपद सदस्य कमलेश बाहेश्वर, योगेश पटले,मोहम्मद अनवर कुरैशी,किशोर बाहेश्वर,किशोर पाटिल,किशन मर्सकोले,रूपेश खरे,महेंद्र दशहरिये सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सोन की सुनहरी रेत ठेका कम्पनी को नुकसान

माफियाओ और शकुनि की चाँदी..

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, शहडोल जिले में रेत खनन को लेकर तरह तरह की चर्चाओं का दौर जारी है जिनमे कायदे कानून के मुताबिक तय कागजी प्रक्रिया के बिना ही रेत खदानों का संचालन सुरु करते हुए टीपी जारी कर दी है, शहडोल के खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की चौकसी को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे है, जिसमे सीधे तौर पर जिले के नागरिको का कहना है एक अदद सीट बेल्ट और हेलमेट को लेकर पुलिस की जागरूकता और दंड प्रक्रिया के साथ साथ कायदे कानून को तोड़कर रेत के अवैध खनन और ओवर लोड परिवहन को लेकर पुलिसिया सजगता जाने कहा चली जाती है, मुर्दे भंडारण का आवेदन देते है, माफ़िया पटवारी और एएसआई को मौत के घाट उतार देते है, मानो न मानो यहाँ फिर वही कहावत चरितार्थ होती नज़र आने वाली बात सही है अमीरो पर रहम

गरीबो पर सितम ए जाने वफ़ा यह जुल्म न कर, सूत्र बताते है की हर दिन 8 से 15 लाख रूपए की रेत की चोरी बदस्तूर हो रही है, सरकारी राजस्व का नुकसान प्रशासनिक अफसरों की निगहबानी में होना लाजिमी है सवाल उठाये जायेगे, मामले में खनिज मामले में खबर यह भी है जिले की रेत खदानों की जिम्मेदारी उठाने वाले केवल टोल बैरियल मामलो में महारथी है और रेत कारोबार में ठेका कम्पनी के मालिक अग्रवाल बंधुओ को माफिया और कम्पनी के जिम्मेदार सिंडिकेट भूमिका में लगतार चुना लगा रहे है, अब देखना यह है की कंपनी और राजस्व का दो तरफा मुनाफा आखिर उत्तम तरकीब से आखिर किसकी जेब भर रहा है, लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा यह भी है की जिम्मेदारों को पता सब है लेकिन न ही दस्तावेज तालाब किये जा रहे है नाही ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जा रहा है, प्रदेश के मुखिया को अगर इस गाला मठा की जानकारी हुई तो मान लेना प्रशासनिक अफसाओ की खैर नही ।

इरफ़ान और अफजल चला रहा अवैध रेत खदान

शहडोल, जिले के अमलाई थानांतर्गत धड़ल्ले से चल रहा रेत का काला कारोबार बेलगाम हो चुका है जिसमे बतलाया जा रहा है की लोकल थानांतर्गत की अनदेखी एक बड़ी वजह है, वरना जब शनिवार खैरहा थाना पुलिस ने रेत के अवैध उत्खनन ममले में रेत लोड ट्रेक्टर को जप्त किया तो थाना अमलाई से महज चंद मिनटों की दूरी पर हो रहा अवैध रेत खनन को मौन स्वीकृति देने के क्या मायने है, इसको जिले के आला अधिकारियो को तलाशने होंगे, वरना हाल ही में हुए बंद खदानों में रोजी रोटी तलाशते लोगो की लाश जिस तरह से निकाली गई थी, बकहो नरगड़ा नाले से निकाली जा रही रेत का परिवहन बंद खदानो के

मुहाने से होकर गुजरता है तो वही इन अंधाधुंध रेत खनन और परिवहन आने वाले दिनों में बेबस लोगों की जान जोखिम हो सकता है वही अवैध रेत खनन को लेकर स्थानीय प्रशासनिक अमला खुली आंखो से राजस्व की खुली लूट देख रहा है, सूत्रों की माने तो बकहो में अवैध रेत इरफ़ान और अफजल की जोड़ी खनन करते हुए होम डेलिवरी कर रही है जिनसे प्रतिदिन लगभग एक लाख रूपए की शुद्ध बचत वाला धंधा चल पड़ा है और कार्यवाही करने वाले अफसरों को कानो कान खबर नहीं है।

यहाँ लगता है श्रद्धा तथा भक्ति ओतप्रोत श्रद्धालु का ताँता

माँ ज्वालाधाम उचेहरा वाली की कथा एवं इतिहास

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

उमरिया, उमरिया जिले के नरौजाबाद रेलवे स्टेशन से 4 किलोमीटर उत्तर में स्थित माँ ज्वाला उचेहराधाम शक्ति पीठ विराजमान है जो ना केवल मध्यप्रदेश बल्कि पुरे भारत वर्ष में अपनी विशेषताओं और देवीय शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान आदिकाल से घोड़क्षत्र नदी के तट पर घनघोर और विकराल जंगल के बीच विलुप्त अवस्था में मौजूद था। इसी स्थान पर अब से दशक पूर्व माँ ज्वाला धाम मंदिर का पुनर्निर्माण उचेहरा के निवासियों द्वारा किया गया। कहा जाता है कि उचेहरा गाँव के निवासी भंडारी सिंह माँ ज्वाला का परम भक्त है जो घोड़क्षत्र नदी के तट पर घने और विकराल जंगल में नित-प्रतिदिन सुबह-शाम माँ ज्वाला की पूजा करने जाया करता था। माँ ज्वाला उनकी श्रद्धा तथा भक्ति से अति प्रसन्न हुयी और एक दिन जब भंडारी सिंह सो रहे थे तो माँ जवाला स्वप्न में आकर बोली

हे भंडारी उठो मैं तुम्हारी भक्ति से अति प्रसन्न हूँ। माँगो तुम्हें क्या चाहिए । भंडारी सिंह ने सर्प्रथम माँ ज्वाला को हाथ जोड़ नमस्कार किया तथा बोला माँ मुझे धन-दौलत और दुनिया की तमाम सुख शोहरत से कोई सरोकार नही है। माँ आपका दर्शन पाके मेरा जीवन धन्य हो गया माँ आपने दर्शन देके मेरी भक्ति को पूर्ण कर दिया इसके अतिरिक्त मुझे कुछ नही चाहिए । माँ ने कहा, जो भक्त सच्चे दिल से माँ ज्वाला की भक्ति और सेवा करता है, उसकी हरेक मनोकामना पूर्ण कर मनोवांछित फल देती हूँ अतः तुम्हें भी ये वरदान पाने का अधिकार है । भंडारी सिंह ने कहा, माँ मुझे सद्बुद्धि दे कि मैं युही आपकी भक्ति और आपकी सेवा ताउम्र करू और वर दे माँ कि आप शक्ति रूप में हमारे बीच हमेशा मौजूद रहे ताकि मेरी श्रद्धा और भक्ति में कभी कोई कमी ना आ पाये। माँ ज्वाला ने कहा,ऐसा ही होगा । हे भंडारी घोड़क्षत्र नदी के तट पर जहा मैं आदिकाल में विराजमान थी वहां पर मेरा पुनः प्रादुर्भाव होगा। तुम इस स्थान पर माँ ज्वाला की एक मंदिर बनवाओ और मेरी भक्ति इसी तरह निःस्वार्थ भाव से करते रहो तथा माँ ज्वाला शक्ति-पीठ धाम का प्रचार-प्रसार देश-दुनिया में फैलाओ। आगे का मार्ग मैं प्रशस्त करती रहूंगी। भंडारी सिंह ने कहा, माँ आपके आज्ञा का पालन अवश्य होगा। माँ जवाला ने कहा, इस स्थान पर जो भक्त सच्चे दिल से किसी भी प्रकार की मनोकामना करेगा उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होगी। कोई भक्त इस स्थान से खाली हाथ नही लौटेगा। भंडारी सिंह ने माँ ज्वाला को प्रणाम कर कहा आपकी लीला अपरम्पार है माँ आपको सत-सत बार मेरा प्रणाम। माँ ज्वाला तथास्तु कहके अंतर्ध्यान हो गयी।

महायज्ञ का आयोजन.. तदुपरांत, भंडारी जी ने माता के वचनो को गाँव वालो के समक्ष प्रस्तुत किया तथा उनसे सहमति जानना चाहा। उचेहरा गाँव के लोगो ने माँ की इच्छा को पूर्ण करने के लिए मंदिर निर्माण में हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। महराज जी और गाँव वालो ने माँ के आज्ञा का पालन करते हुए घोड़क्षत्र नदी के तट पर जाकर करौंदा वृक्ष के पास घने जंगल में आदिकाल से स्थित माँ ज्वाला के स्थान तथा उनके आस-पास साफ-सफाई किया जहाँ करौंदा वृक्ष के नीचे माँ ज्वाला कि प्रतिमूर्ति स्थापित था तथा इसी स्थान पर माँ ज्वाला के नाम से एक महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमे देश के विभिन्न हिस्सों से पंडितो और पुरोहितो को बुलाया गया। इस महायज्ञ में लाखो की तादात में श्रद्धालु भक्त, साधु-संत आये।

माँ ज्वाला की मासिक सवारी..इस महायज्ञ के बाद माँ ज्वाला धाम शक्तिपीठ का चमत्कार देश दुनियाँ में बढ़ने लगा। तभी से इस स्थान पर सैंकड़ो श्रद्धालु प्रतिदिन माँ जवाला के दर्शन को आते है। माँ ज्वाला के मंदिर में प्रत्येक सोमवार को

विशेष अरदास एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर हवन कुण्ड में आहुति दी जाती है, सामूहिक सत्यनारायण भगवान विष्णु जी की पूजा की जाती है। श्रद्धालु अपनी अरदास माँ ज्वाला के समक्ष रखते है तथा जिनकी पूर्व की रखी गयी अरदास पूरी हो जाती है वो भक्त विशेष गाजा-बाजा के साथ माँ ज्वाला की परिक्रमा लगाते है। महीने में एक बार पूर्णिमा के पश्चात पड़ने वाले मंगलवार या शनिवार को माँ ज्वाला की सवारी आती है जिनमे श्रद्धालु संतान प्राप्ति, रोग से ग्रस्त रोगी, नौकरी, व्यापार, शादी-विवाह व् आर्थिक समस्या से सम्बंधित अरदास करते है। माता के भक्त उचेहरा निवासी श्री राम नाथ पंडा जी द्वारा माँ ज्वाला की मासिक सवारी का नेतृत्व किया जाता है। माँ ज्वाला की कृपा से सभी भक्तो को मनोवांछित फल प्राप्त होता है।

भंडारे में तीन प्रकार का प्रसाद..प्रत्येक वर्ष जनवरी की पहली तारीख को माँ ज्वाला मंदिर की स्थापना का वार्षिक महोत्सव मनाया जाता है। इस दिन माँ ज्वाला की विशेष पूजा की जाती है तथा माँ ज्वाला की झांकी निकाली जाती है और भंडारे का आयोजन किया जाता है श्रद्धालु गण प्रत्येक सोमवार को भंडारा करवाते है भंडारे में तीन प्रकार का प्रसाद माँ को भेंट की जाती है। जिनमे प्रथम राज भोग जिसमे खिचड़ी का प्रसाद, दूसरा मोहन भोग जिसमे दूध से बने खीर का प्रसाद तथा तीसरा देवी भोग जिसमे हलवा-पूरी का प्रसाद भक्तो के बीच में बांटा जाता है। रात्रि में माँ ज्वाला के लिए जागरण समारोह किया जाता है जिसमे क्षेत्र के भिन्न-भिन्न धार्मिक कलाकरों द्वारा माँ ज्वाला के लिए गायन नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । माँ ज्वाला धाम में साल में दो बार नवरात्र पूजा का आयोजन किया जाता है। चौत नवरात्र तथा अश्विन नवरात्र में जौ-जयंती कलश स्थापित किया जाता है तथा नवरात्र के नौ दिन माँ ज्वाला के नौ रूपों की पूजा पुरे श्रद्धा-भाव से की जाती है। माँ ज्वाला धाम में हिन्दू सनातन धर्म के सभी धार्मिक पूजा और उत्स्व जैसे वैसाखी, सावन सोमवारी, कृष्ण जन्म, गणपति पूजा, दीपावली, मकर संक्रांति, सरस्वती पूजन और महाशिवरात्रि, होली आदि बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। माँ ज्वाला धाम में आयोजित सभी धार्मिक कार्यो को सुचारू रूप से माँ ज्वाला सेवा समिति के अध्यक्ष और प्रमुख पुजारी महराज भंडारी सिंह जी के सानिध्य में सेवादारो द्वारा पूर्ण किया जाता है।

माँ ज्वाला धाम शक्ति-पीठ दर्शन..यात्रा के लिए उत्तर भारत के श्रद्धालु नई दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन से रेल गाड़ी से नरौजाबाद स्टेशन उतर कर जीप व् टैक्सी से माँ ज्वाला धाम पहुँच सकते है। पूर्व भारत के लोग रेल यात्रा से कटनी पहुंच सकते है वहा से नियत अंतराल पर नरौजाबाद के लिए लोकल रेल की सेवा उपलब्ध है। पश्चिम और दक्षिण भारत से आने वाले भक्त भोपाल के रास्ते नौरौजाबाद पहुंच सकते है। नरौजाबाद से आपको आसानी से उचेहरा में माँ ज्वाला के दर्शन के लिए गैर सरकारी वाहन मिल जाएगा। मंदिर परिसर पहुचने पर माँ ज्वाला धाम का विशाल मुख्य द्वार है इस मुख्य द्वार के रास्ते आप मंदिर परिसर में पहुँचते है जहा पार्किंग की उचित व्यवस्था है। सभी प्रकार के वाहन जैसे दोपहिया, चार पहिया आदि आप पार्किंग परिसर में पार्क कर सकते है। पार्किंग के साथ चप्पल-जूतो के लिए लाकर सुविधा है। आप अपने चप्पल-जूते सहित अन्य समान को इस लॉकर रूम में सुरक्षित रख सकते है। वाहन पार्किंग के दाहिने साइड में कुछ दूर पर प्रसाधन सुविधा है जहा पर आप स्नान ध्यान से पवित्र हो सकते है। पार्किंग परिसर में ढेर सारी दुकान है। जिनमे प्रसाद, चुनरी, महिलाओं के लिए श्रृंगार सम्बधित दुकान तथा जलपान गृह है। माँ ज्वाला की पूजा-अर्चना के लिए प्रसाद व् पूजा की अन्य समाग्री यहाँ से आप खरीद सकते है। पार्किंग परिसर से माँ ज्वाला धाम के मुख्य मंदिर के लिए रास्ता है। जिस राह पर चलते हुए आप मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुँचते है जहा शनि देव और भैरव जी की मूर्ति स्थापित है। मुख्य द्वार पर शनि देव और भैरव देव की पूजा करने के पश्चात भक्त गण मंदिर के अंदर में प्रवेश करते है। मंदिर में माँ ज्वाला की पिंडी रूप में स्थापित मूर्ति की पूजा भक्त गण निष्ठा भाव से करते है। माँ ज्वाला की पूजा-अर्चना के लिए पंडित जी सेवारत है। माँ ज्वाला के समीप हनुमान जी की विशाल मूर्ति विराजमान है। भक्तगण हनुमान जी की पूजा कर उनके आशीर्वाद का भागीदार बनते है। मंदिर में आदि काल से पीपल का एक वृक्ष है। श्रद्धालु पीपल वृक्ष की पूजा करते है। पीपल वृक्ष के समीप से ही मंदिर से बाहर जाने का रास्ता है। मंदिर के बाहर नरियल तोड़ने का घर है जहाँ मंदिर के सेवादार नारियल तोड़ने की सेवा में मौजूद रहते है। नारियल तोड़ने के बायीं ओर थोड़ी दूर पर राधा-कृष्ण जी का मंदिर अति मोहक है। भक्त जन राधा-कृष्ण जी की पूजा करने के पश्चात कैलाश धाम की और अग्रसर होते है उचेहरा गाँव के घोड़क्षत्र नदी के तट पर भगवान शिव जी विराजमान है। भक्त गण कैलाश धाम में भगवान शिव जी की पूजा करने के पश्चात भारत माता मंदिर की और अग्रसर होते है। पार्किंग परिसर के समीप भारत माता की मंदिर है।

भारत माता की पूजा -आरती..यहाँ से भक्त गण मंदिर के गौशाला जा सकते है जो माँ ज्वाला धाम के विशाल मुख्य द्वार के पास है। इस गौशाला में तत्काल 58 गाये है। गौ माता की पूजा करने के पश्चात भक्तो का पूजा-अर्चना सम्पन्न होती है। मंदिर परिसर में ठहरने के लिए धर्मशाला की उचित व्यवस्था है। मंदिर परिसर पूरी तरह से सीसीटीवी की निगरानी में है। इसके अलावा सुरक्षा गार्ड को मंदिर के हर कोने में तैनात किया गया है। पानी, प्रसाधन खाने-पीने और ठहरने के लिए माँ ज्वाला धाम मंदिर समिति द्वारा उचित व्यवस्था किया गया है। जिससे आपको किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

सर्वांगीण एवं समावेशी विकास को दृष्टिगत रख बनाया जाए विजन डॉक्यूमेन्ट्स @ 2047 - जि.पं. अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह

विजन @ 2047 डॉक्यूमेन्ट तैयार करने आयोजित किया गया जिला स्तरीय जन संवाद कार्यक्रम

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, विकसित भारत के साथ-साथ विकसित मध्यप्रदेश के उद्देश्य से विकसित अनूपपुर @ 2047 विजन डॉक्यूमेन्ट तैयार करने के लिए जिले के सर्वांगीण एवं समावेशी विकास के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय जन संवाद कार्यक्रम जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिकी राठौर, जिला पंचायत सदस्य सुश्री भारती केवट एवं श्रीमती किरण चर्मकार एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। विकसित अनूपपुर के संबंध में जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.के. सोनी , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी.आर. आर्मो, महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद परस्ते, उप

संचालक कृषि श्री एन.डी. गुप्ता, जल संसाधन विभाग की सहायक यंत्री श्रीमती सरिता मिश्रा एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री एच.एस. धुर्वे ने विजन डॉक्यूमेन्ट्स @ 2047 के संबंध में विभागीय अवधारणा के संबंध में जानकारी दी। योजना एवं सांख्यिकी विभाग के सांख्यिकी अधिकारी श्री कबीरपंथी द्वारा विजन डॉक्यूमेन्ट्स के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने जिले के सामान्य भौगोलिक आदि विषयक जानकारी दी।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने सर्वांगीण एवं समावेशी विकास की दिशा में विकसित अनूपपुर ञ्च 2047 विजन डॉक्यूमेन्ट्स के तहत ठोस और व्यावहारिक विचारों को शामिल करते हुए विजन रोडमैप तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि जन आकांक्षाओं, विचारों और प्राथमिकताओं को विजन डॉक्यूमेन्ट्स में सम्मिलित किया जाए।

जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाल्मिकी राठौर ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सिंचाई सुविधाओं पर बड़े कार्य कर जिले को समृद्ध बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के 100 वर्ष जब पूरे हों तो 2047 में मध्यप्रदेश के साथ ही अनूपपुर जिला विकसित और सशक्त रूप से स्थापित हो। उन्होंने कार्यों की मॉनीटरिंग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिले की विशिष्ट आवश्यकताओं और संभावनाओं की पहचान कर विजन डॉक्यूमेन्ट्स में समाहित किया जाए।

जिला स्तरीय जन संवाद कार्यक्रम में स्वास्थ्य संरचनाओं को सशक्त बनाने शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षा में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार, महिलाओं, युवाओं के सशक्तिकरण, किसानों के समृद्धि तथा जनजागरूकता, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर, नारी सशक्तिकरण, किसान कल्याण, निम्न आय वर्ग के नागरिकों के कल्याण, जनजातीय विकास के लिए प्राथमिकताएं आदि विषयक चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए गए।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा कार्यकारणी बैठक हुई सम्पन्न

अतुल वराडे बनाये गए युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर एवम सचिव रविशंकर अजीत द्वारा संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया गया कि 5 जनवरी 2025 को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा की कार्यकारणी बैठक रविशंकर अजीत के निज निवास बड़ी पनबिहरी (लालबर्रा) जिला बालाघाट में सम्पन्न हुई। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर तथा पदाधिकारियों एवम उपस्थित जनों द्वारा सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के संगठनकर्ता एवम महासभा के प्रथम अध्यक्ष ब्रम्हलीन मुरारी लाल ब्रम्हे जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें स्मरण किया गया। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर द्वारा अखिल भारतीय

गढ़वाल समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष के लिए श्री अतुल वराडे का नाम प्रस्तावित किया गया जिसका समर्थन हरिपाल धानेश्वर,गणेश वराडे,संजय कंचनवार,बसंत दिनेवार,विष्णु धानेश्वर,रविशंकर अजीत,मुकेश सोलंकी,शिवलाल अजीत,श्याम बनवाले एवम बैठक में उपस्थित सभी जनों द्वारा किया गया। सभी की आम सहमति से अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री अतुल वराडे को बनाया गया। बैठक में अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर द्वारा 28 फरवरी 2025 को गढ़वाल स्थापना दिवस पनबिहरी अमराई में बनाये जाने तथा 30 मार्च 2025 को हिन्दू नव वर्ष लालबर्रा में मनाए जाना प्रस्तावित किया गया जिसका समर्थन महासभा के सभी पदाधिकारियों एवम जितेंद्र गोयल,परमानन्द नागेश्वर, खैरलाल बघेल,सुखचंद नागेश्वर, केशव अजीत,राजकुमार ब्रम्हे, रेखा धानेश्वर,प्रेमलता सूर्यवंशी, रूखमणी अजीत,अनुसुइया बनवाले,ममता ब्रम्हे,शकुन नागेश्वर,लक्ष्मी नागेश्वर,बबली नागेश्वर,गीता ब्रम्हे,मागीन बाई ब्रम्हे,चंद्रकला नागेश्वर,राधिका एवम उपस्थित सभी जनों द्वारा किया गया।

कलेक्टर द्वारा ग्राम पंचायत पलासड़ी में मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का निरीक्षण किया

कलेक्टर द्वारा हितग्राहियो को आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं खसरा नकल प्रदान की गयी

झाबुआ- ग्राम पंचायत पलासड़ी में मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर का कलेक्टर नेहा मीना द्वारा निरीक्षण किया गया। कलेक्टर द्वारा शिविर में लगाए विभागवार काउंटर पर जाकर उनके द्वारा लिए गए विभिन्न आवेदनों के सम्बन्ध में संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारियों से जानकारी ली।शिविर में विभिन्न विभागों के प्राप्त कुल 94 आवेदन में से 80 का निराकरण किए जाने की जानकारी दी गई। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा शिविर में उपस्थित ग्रामीण जनों को सम्बोधित करते हुए अवगत कराया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अन्तर्गत 26 जनवरी तक विभिन्न शिविरों का आयोजन कर हितग्राहियों का चिन्हांकन कर लाभ दिया जा रहा है। इन शिविरो के माध्यम से आवेदन का निराकरण कर किया जाएगा। शासन की सभी चिन्हित 63 योजनाओं में जो व्यक्ति लाभ लेने से वंचित हैं वे अनिवार्य रूप से इस मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर के माध्यम से लाभ उठाए। उपस्थित सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुसार शिविर आयोजन के पूर्व सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी ग्राम में घर-घर संपर्क कर उनकी चिन्हित योजनाओं में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को सूचीबद्ध करें एवं उन्हें शिविर के दौरान लाभान्वित किया जाए। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देशित किया गया कि ग्राम में शेष बचे सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान पंजीयन शिविर के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ ने भी ग्रामीणो से मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर के माध्यम से समस्या निराकरण के महत्व को बताया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 21 का स्वास्थ्य परीक्षण, अब तक 288 लक्ष्य के विपरीत 66 आयुष्मान कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा 56 चालू खाता-खसरा की नकल, पशुपालन विभाग द्वारा 7 किसान क्रेडिट कार्ड, 6 विधवा पेंशन के आवेदन प्राप्त कर निराकरण करने की जानकारी अवगत कराया गया। कलेक्टर द्वारा हितग्राहियो को आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं खसरा नकल प्रदान की गयी। सचिव द्वारा अन्त्येष्टि राशि ना देने की शिकायत प्राप्त होने पर सचिव को नोटिस दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

कलेक्टर के भ्रमण के दौरान इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ भास्कर गाचले, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग आर एस बघेल, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग वर्षा चौहान, तहसीलदार रामा टीएस विस्के, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नगरीय निकायों के निर्माण कार्य रुचि लेकर पूर्ण करें अधिकारी-कलेक्टर

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों के निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा, दिए अधिकारियों को निर्देश

सुशिल सोनी। सिटी चीफ

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले के समस्त नगरीय क्षेत्र के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री निर्माण कार्यों को रुचि लेकर पूर्ण कराएं, जिससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया हो सके। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत सर्वे दल द्वारा डोर टू डोर सर्वे कराकर पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाया जाए, कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना से वंचित न रहे, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अनूपपुर जिले में कोल जनजाति निवास करती है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर इस योजना का लाभ दिलाया जाए। कलेक्टर ने इंजीनियर को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जो मकान निर्माणाधीन है, उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जिला शहरी विकास अभिकरण के अंतर्गत नगरीय निकायों के निर्माण कार्यों की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरकंटक श्री महिपाल सिंह गुर्जर सहित जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व वसूली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान दें,

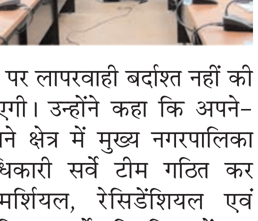

इस पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सर्वे टीम गठित कर कामर्शियल, रेसिडेंशियल एवं इंडस्ट्रियल सर्वे त्रुटि रहित करें तथा राजस्व वसूली करें। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदनों को पोर्टल में दर्ज कराकर जल्द से जल्द निराकरण कराया जाए। बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकायवार प्रधानमंत्री कायाकल्प योजना-2, अमृत 2.0, वाटर सप्लाई के अंतर्गत अमरकंटक वाटर सप्लाई पेंडिंग कार्य, नल जल योजना के कार्य, मुख्यमंत्री अधो संरचना विकास योजना के अंतर्गत निकायवार, विशेष निधि अंतर्गत स्वीकृत कार्य, डीएमएफ के अंतर्गत स्वीकृत कार्य, सांसद विधायक निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्य के प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को अपूर्ण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक शनिवार को नगरीय प्रशासन विभाग की बैठक आयोजित की जाएगी तथा प्रति सप्ताह विभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी गंभीरता के आधार पर योजनाओं एवं विकास कार्यों का संपादन करें।

जनप्रतिनिधि और अफसर समन्वय से काम करें-सभापति धर्मेंद्र भारद्वाज

विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति ने की समीक्षा बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, उत्तर प्रदेश विधान परिषद नियम पुनरीक्षण समिति के सभापति धर्मेंद्र भारद्वाज की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में जिले की तीन साल के विधान परिषद सदस्यों के प्रश्नोत्तर की समीक्षा की। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा सभापति सहित समिति के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।सभापति धर्मेंद्र भारद्वाज ने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों को लेकर जनप्रतिनिधियों में तालमेल बनाएं और अपने दायित्वों का निर्वहन करें। समिति ने पिछले तीन साल में विधान परिषद के अल्पसूचित, तारांकित, अतारांकित प्रश्नों, विधान परिषद के नियम 115, 105, 110 तथा 111 की सूचनाओं, उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्राप्त याचिकाएं, विशेषाधिकार हनन के प्रकरण, विधान परिषद के सदस्यों से प्राप्त पत्रों पर कार्रवाई, सदन के कार्यों के प्रति जिला स्तर पर सुझाव, संसदीय व्यवहार, प्रक्रिया, विधायकों के प्रोटोकॉल के उल्लंघन के प्रकरण में सदस्यों के पत्रों के जवाब तथा अन्य बिंदुओं की समीक्षा की। सभापति धर्मेंद्र भारद्वाज ने संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं

योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को दिलाए जाने के निर्देश दिए। बच्चों को शिक्षा प्रदान कराने के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही छात्रवृत्तियों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाए और और दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि विभागीय बैठकों, कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी अवश्य बुलाए जाए। विधायकों द्वारा दिए गए पत्रों के क्रम में निर्धारित समय अवधि में कार्रवाई करते हुए उनको भी अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्य प्रणाली को सरल और जनउपयोगी बनाने में अधिकारियो एवं जनप्रतिनिधियो की भूमिका होती है। जनप्रतिनिधि स्थानीय प्रशासन एवं जनता के बीच ब्रिज की तरह कार्य करते है, जिसका उद्देश्य आमजनमानस को सरकार के विकास कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाना एवं प्रक्रियाओं को सरल करना होता है। समस्त अधिकारी जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गये पत्रों का प्राथमिकता पर संज्ञान लेते हुये तत्काल कार्यवाही करें तथा संबंधित जनप्रतिनिधि को उससे अवगत कराये। जनप्रतिनिधि के कार्य क्षेत्र में कराये जा रहे विकास कार्यों की शिलापट्ट पर उनका नाम भी अंकित किया जाये। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने का काम करें, ताकि जनता के बीच में शासन एवं प्रशासन का अच्छा संदेश जाए। साइबर क्राइम से संबंधित प्रकरणों में बचाव के दृष्टिगत अधिक से अधिक जनजागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही की जाए। बैठक में अधिकारी पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित हों।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने माननीय सभापति को आश्वस्त करते हुए कहा कि बैठक में जो आपके द्वारा मार्गदर्शन एवं निर्देश दिए गए हैं उनका अधिकारियों के माध्यम से गंभीरता के साथ पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस मौके पर विधान परिषद समिति सदस्य किरणपाल कश्यप, बिच्छे लाल राम, श्रीचंद शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, डीएफओ शुभम सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी के घर पहुंचकर उनकी माता के निधन पर शोक जताया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ गंगोह । सहारनपुर, कैराना के पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी की माता श्यामों देवी के निधन पर शोक व्यक्त करने व सांत्वना देने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उनके पैतृक गांव दूधला स्थित उनक आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदीप चौधरी की दिवंगत माता श्यामों देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान राज्यमंत्री जसवंत सैनी, हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरियाणा कंवरपाल गुर्जर, विधायक मुकेश चौधरी, रालोद विधायक अशरफ अली व प्रसन्न चौधरी, पूर्व विधायक महीपाल माजरा व नरेश सैनी, पूर्व सांसद हाजी फजर्लुरहमान, पूर्व

ब्लाक प्रमुख चौ. नक्षत्र सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश कुमार, जिपंस पवन सिंह राठौर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, गगन गर्ग, प्रधान संजय कम्हेडा, विकास चौधरी, वेदपाल प्रधान, प्रधान चन्द्रपाल, डॉ. अमित गर्ग, डा. मनोज जैन, डा. एसआर. सैनी, चौ. आत्मा सिंह, डा. अरुण शर्मा, जगदीश पंवार, जितेन्द्र जागलान, श्याम सिंह पंवार सहित बडी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इंडियाज बेस्ट सिम्स गॉट टैलेंट का दूसरा चरण रीवा में हुआ संपन्न

65 बच्चो ने दूसरे चरण में लिया हिस्सा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ रीवा, स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट के तत्वाधान इंडियाज बेस्ट सिम्स गॉट टैलेंट रियलिटी शो अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सतना श्री सतीश शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद,ऑडिशनके दूसरे चरण का शुभारंभ किया गया ऑडिशन के दूसरे चरण में 65 बच्चों ने लिया भागीदारी, ली इंडियाज बेस्ट सिम्स गॉट टैलेंट रियलिटी शो में मुख्य रूप से जज के रूप में अरुण मणि त्रिपाठी लक्खा , विंध्य कोकिला श्रीमति मणिमाला सिंह बघेल, प्रसिद्ध गायिका अनामिका त्रिपाठी, रही है, विशेष उपस्थिति, स्नेहा इवेंट मैनेजमेंट की ब्रांड एम्बेसडर सुश्री अर्चना कुशवाहा जो की राष्ट्रपति सम्मानित है वो अपना बहुमूल्य योगदान संस्था को हमेशा देती है,।। स्पेशल गेस्ट के रूप में ,राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी जी जोनल संयोजिका- कला एवं संस्कृति प्रभाग भोपाल जोन (मध्य प्रदेश) रही,। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि के रूप में बीके प्रकाश द्विवेदी संयोजक = ब्रह्माकुमारीज केंद्र रीवा एवं कला संस्कृति प्रभाग रीवा संभाग । बीके सुभाष भाई

,सोशल प्रभारी ब्रह्माकुमारी रीवा बीके प्रमोद भाई की व्यवस्था प्रमुख ब्रह्माकुमारी रीवा बीके डॉक्टर अर्चना बहन ,मेडिकल बीइंग संयोजिका भोपाल जोन रीवा। ईश्वरीय विश्वविद्यालय रीवा में दूसरे चरण का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति – सेलिब्रिटी गेस्ट, के रूप में चंद्रकांत द्विवेदी अभिनेता,अंजली पयाशी अभिनेत्री , बघेली हास्य कलाकार उत्तम केवट जी, ने अपना बहुमूल्य समय निकाल कर शामिल हुए , कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में सम्मानित हुए अंकित रॉकी शर्मा,आरंभ युवाओं की नई सोच समिति के संस्थापक व अध्यक्ष,दिगांचल सिंह बघेल (कौटिल्य एकेडमी रीवा शाखा) हास्य कवि श्री आशीष तिवारी निर्मल जी,निलेश श्रीवास्तव,सहयोगी रूप से सभी का आभार व्यक्त करते हैं,जो अपना योगदान संस्था के साथ जुड़े,।। आयोजन में एक से एक प्रतिभागी शामिल हुए, अपनी प्रतिभा को मंच तक साझा कर जज को अपनी प्रतीतियां दिखाई ,65 बच्चे इसका हिस्सा बने प्रथम चरण एवं द्वितीय वर्ष का सफर रीवा सतना का पूर्ण हुआ ,।।आगामी तीसरा चरण इंदौर में किया जाएगा।।

जिलाधिकारी ने भूमाफियाओं पर कसा शिकंजा, अवैध कब्जा करवाने पर भूमाफिया के विरुद्ध की गई एफआईआर

डीएम द्वारा तहसील रामपुर में की गई बड़ी कार्रवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ *सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में सुभान अहमद उर्फ शाहबुद्दीन अहमद पुत्र बुरहान अहमद निवासी मोहल्ला बाजारकला कस्बा परगना व तहसील रामपुर मनिहारान पर बिना किसी साक्ष्य (बैनामा) के कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जा कराने एवं अवैध रूप से भूमि बेचकर अवैध धनराशि प्राप्त करने के लिए सुसंगत धाराओं में एफ0आई0आर0 दर्ज कर विधिक कार्यवाही की गई है। प्रश्नगत प्रकरण में खसरा नं0-1022 रकबई 0.6760 है0 श्रेणी 6.3 के अन्तर्गत कब्रिस्तान मौजा रामपुर मनि0 के भूमि अभिलेखो में दर्ज है। जिसमें मुतवल्ली सुभान अहमद उर्फ शाहबुद्दीन अहमद पुत्र बुरहान अहमद है जिसको सुन्नी सैन्ट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा सन् 1988 में मुतावल्ली के पद पर नियुक्त किया गया था उसके बाद उसको दोबारा मुतवल्ली तोलिगत जारी नहीं किया गया तथा न ही अन्य को जारी किया गया। उसके बावजूद भी मुतवल्ली होने की एवज में उसके द्वारा कुछ व्यक्तियों को गुमराह करके कबिस्तान की खसरा नम्बर 1022 की भूमि बिना किसी बैनामें के अवैध रूप से बेच दी गयी। जो मौके पर कब्रिस्तान की भूमि को कालोनी के रूप में विकसित करके रास्ता बनाकर बेची गयी है।*

मुतवल्ली सुभान अहमद उर्फ शाहबुद्दीन अहमद द्वारा पूर्व में बिना किसी साक्ष्य (बैनामा) के दो व्यक्तियो व्यक्तियों को कब्जे कब्रिस्तान की भूमि में करायें गये तथा कुछ व्यक्तियों की 10 रुपए और 50 रुपए के स्टाम्प पर रसीद लिखकर भूमि अवैध रूप से बेची गयी तथा अवैध धनराशि प्राप्त की गयी। जिसके लिये सर्वप्रथम दोषी सुभान अहमद उर्फ शाहबुद्दीन अहमद है। उक्त भूमि वर्तमान में भी अभिलेखो में कब्रिस्तान दर्ज है।

स्टेयरींग की बात अभियान पर ट्रासंपोटर्स एवं ट्रक ड्रायवरों से चर्चा

नीमच- पुलिस उपमहानिरीक्षक रतलाम रेंज रतलाम द्वारा जारी स्टेयरींग की बात अभियान अंतर्गत पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल , अति. पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसोदिया के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा नववर्ष की शुरूआत से ही यातायात में सुधार एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने के उददेश्य से रोड सुधारीकरण एवं यातयात जागरूकता संबंधी कार्य प्रारंभ कर दिये गये है । यातायात प्रभारी सुश्री उर्मिला चौहान एवं यातायात टीम द्वारा आज दिनांक को हाईवे स्थित होटल ग्रीन पर ट्रक ड्रायवरो को एकत्रि?त कर वाहन चलाते समय आने वाली समस्याओं एवं एक्सीडेंट के कारणों पर चर्चा की गई । ट्रक ड्रायवरों द्वारा हाईवे पर वाहन चलाते समय आने वाली समस्याओं के बारे में खुलकर बताया व एक्सीडेंट कम करने हेतु उपाय भी सुझाये इसके साथ ही थाना यातायात पर नीमच शहर के ट्रांसपोटर्स की बैठक भी आयोजित की गई । जिसमें शहर में यातायात को सुगम बनाने व पार्किंग जैसी समस्यौओं पर चर्चा की गई । शहर में नगर पालिका एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के सहयोग से रोड

सुधारीकरण , रोड मार्किंग , साइनेज, रम्बलस्ट्रीप/स्पीड ब्रेकर का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है रोड सुधारीकरण एवं यातायात जागरूकता संबंधी कार्यक्रम नीमच अनुभाग स्तर पर भी प्रारंभ हो चुके है । आज दिनांक को अनुभाग मनासा के थाना कुकडेश्वर , रामपुरा एवं मनासा में भी डीबीएल के साथ मिलकर यातायात जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया एवं ट्रक ,ट्रेक्टर एवं बस ड्रायवरों से वाहन चलाते समय आने वाली समस्याओं एवं एक्सीडेंट के कारणों पर सुझाव लिये गये ।

भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा मप्र का नव वर्ष मिलन समारोह राहतगढ़ मैं सम्पन्न हुआ

भोपाल - भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा मप्र के तत्वाधान मैं राहतगढ़ साहू समाज द्वारा नव वर्ष मिलन समारोह सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू, केबिनेट मंत्री दर्जा रविकरण साहू,पूर्व विधायक पारुल साहू,प्रदेश अध्यक्ष भावना साहू, जनगणना प्रकोष्ठ के राष्टीय संयोजक सत्येंद्र साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंग, मेवालाल साहू, राजनैतिक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक जगन्नाथ गुरीइया, राष्टीय महामंत्री पूनम साहू कार्यक्रम आयोजक देवेंद्र साहू मुरारी साहू सहित सभी अतिथियों ने सर्व प्रथम माँ कर्मा देवी जी की पूजा अर्चना कर दीप प्रजवलित किया. सांसद विवेक साहू ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब एकजुटता से काम करें. रविकरण साहू ने कहा कि तेलघानी बोर्ड द्वारा बहुत जल्द प्रदेश से लेकर गांव गांव तक तेलघानी बनाकर पुराने तेल उत्पाद को बढ़ाएंगे. पारुल साहू ने कहा कि मैं अतिथि नहीं मैं आपके परिवार की आपकी बेटी के रूप मैं आई हूँ. समाज के जरूरतमंद लोगों की

मदद के लिए बच्चों की पढ़ाई के लिए पिता जी संतोष साहू के नाम से ट्रस्ट बनाया है उससे निशुल्क शिक्षा दी जाएगी सकालरशिप दी जाएगी.

जनगणना प्रकोष्ठ राष्टीय संयोजक सत्येंद्र साहू ने कहा कि मुझे जनगणना प्रकोष्ठ राष्टीय संयोजक बनाया गया हैं बहुत जल्दी मप्र संयोजक नियुक्त कर गांव गांव मैं जनगणना करने मैं सहयोग की बात की. तेलघानी बोर्ड के बैनर तले तेल बनाने उद्योग स्थापित करने को लेकर एक प्रशिक्षण वर्ग बहुत जल्द लगाने की बात की.

जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह ने कहा कि साहू समाज राहतगढ़ के लिए धर्मशाला के लिए जगह और 25 लाख रूपये रिलीज कर दिए हैं.सफल संचालन प्रदीप साहू और आभार देवेंद्र साहू ने किया. कार्यक्रम मैं ज्ञानेश्वर जी,जगदीश साहू शैलेंद्र साहू सीताराम साहू श्याम साहू तेज सिंह साहू लीलाधर साहू रघुनाथ साहू गणेशाराम साहू नेतराम साहू,गोविंदसाहू टेंट जगदीश साहू वृजपुरी राकेश साहू सेमरा अशोक साहू मसुरहाई एवं दूर दूर से स्वजातीय बंधुओ ने हिस्सा लिया.

मेवाडा प्रजापत समाज के वरिष्ठ एवं उस्ताद मोहनलाल प्रजापत, शांतिबाई प्रजापत बना रहे है ईंट भट्टे पर ईंटे, अध्यक्ष नारायण सोमानी, मुकेश राठी मालक ने भट्टे पर जाकर प्रजापत परिवारजनो की प्रशंसा

जावद। नगर में रामपुरा दरवाजा स्थित मुक्तिधाम के पास निज निवास ईंट भट्टा पर मेवाडा प्रजापत समाज के वरिष्ठ एवं श्री मनसापूर्ण बजरंग व्यायाम शाला अखाडा उस्ताद मोहनलाल प्रजापत, शांतिबाई प्रजापत द्वारा प्रतिदिन अपने हाथो से ईंटे बना रहे है। श्री मनसापूर्ण बजरंग व्यायाम शाला अखाडा अध्यक्ष एवं जावद प्रेस क्लब अध्यक्ष नारायण सोमानी, समाजसेवी मुकेश राठी मालक ने मुक्तिधाम रोड स्थित ईंट भट्टे पर जाकर उस्ताद मोहनलाल प्रजापत का धन्यवाद मानकर हौसला बढाया। उस्ताद मोहनलाल प्रजापत ने बताया हमारा परिवार पिछले 4-5 पीढियों से ईंटे बनाने का व्यवसाय कर रहे है यह हमारा रोजी-रोटी का साधन है, वैसे तो ईंटे प्रतिदिन बनती है लेकिन ठंड का मौसम में ईंटे बनाने का कार्य जौरो से चलता है, मिट्टी से गारा बनाकर उसे ईंट के आकार में ढालकर कुछ दिन के लिए धूप में छोड़ दिया जाता है, उसके बाद ईंटो की ही चिमनी बनाकर आग जलाकर ईंटे को पकाए जाता है। अध्यक्ष नारायण सोमानी ने कहा हर किसी का सपना होता है कि उसका एक शानदार सा घर हो, जिसमें वह अपने परिवारजनो के साथ खुशाली से रहे, लोग अपने बजट के हिसाब से अच्छे से अच्छा घर बनवाते हैं, एक घर बनाने के पीछे कई लोगों की मेहनत होती है, इसमें मिस्त्री, मजदूर से लेकर ईंट के भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर तक की मेहनत होती है, घर बनाने के लिए सबसे जरुरी चीज होती है ईंट, जब भी कोई घर बनवाता है तो भट्ठों से ईंट खरीदता है, सामान्य तौर पर ईंट बनाने का

प्रोसेस बहुत ही आसान लगता है जब हम देखते तो बहुत मेहनत का काम दिखाई देता है।

महिला कलाकार ने महाकुंभ के लिए राम नाम से अमृत कलश की बनाई पेंटिंग

नेशनल डेस्क. प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ मेले की तैयारियां तेज़ी से चल रही हैं, और उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधाओं और स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया है। महाकुंभ, जो भारतीय धर्म और संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है, 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होगा, और इस बार इस महापर्व के आयोजकों ने इसे और भी खास और भव्य बनाने के लिए कई नवाचारों का पालन किया है। एक महिला कलाकार द्वारा बनाई गई एक अद्वितीय पेंटिंग, जो महाकुंभ के अमृत कलश को दर्शाती है, इस महाकुंभ की दिव्यता और आध्यात्मिकता को और भी गहरा करती है। महाकुंभ के अमृत कलश का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह त्रिवेणी संगम (गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी का संगम) के पवित्र जल से भरा जाता है। यह कलश महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा किए जाने वाले पवित्र स्नान का प्रतीक है, और इसे लेकर भक्तों में विशेष श्रद्धा होती है। इसी पवित्रता और महत्व को ध्यान में रखते हुए, महिला कलाकार प्रतिभा पांडे ने एक बेहद अद्भुत और अनोखी पेंटिंग बनाई है, जिसमें उन्होंने राम शब्द को बार-बार उकेर कर अमृत कलश का रूप दिया है। प्रतिभा पांडे की इस कला में उन्होंने राम शब्द को बार-बार लिखकर कलश के आकार का निर्माण किया है, जो न केवल आध्यात्मिक रूप से प्रेरित है, बल्कि इसके माध्यम से वह महाकुंभ के पवित्र आयोजन को और भी दिव्य बनाना चाहती थीं। पांडे का मानना है कि इस तरह के शब्दों का उकेरा जाना कला से यादा एक साधना है, और यह पेंटिंग उन्हें अपने आंतरिक ध्यान और भक्ति से मिली प्रेरणा का परिणाम है। प्रतिभा पांडे ने इस पेंटिंग के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें बहुत समय लगा और यह उनके लिए एक साधना जैसा अनुभव था। उन्होंने कहा, राम का नाम लिखना मेरे लिए केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक ध्यान का तरीका है। यह मेरी आंतरिक शांति और भक्ति का हिस्सा है। पांडे ने इस पेंटिंग को बनाने में कई दिन लगाए, और उन्होंने बताया कि उन्होंने इसका हिसाब नहीं रखा कि कुल कितनी बार राम का नाम उकेरा गया है, क्योंकि यह उनके लिए कोई साधारण काम नहीं था, बल्कि यह एक ध्यान की प्रक्रिया थी। इस पेंटिंग में राम का नाम इतने बार उकेरा गया है कि यह न केवल एक धार्मिक प्रतीक बन गया है, बल्कि महाकुंभ के आयोजकों और श्रद्धालुओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन गया है। पांडे ने यह भी बताया कि उन्होंने इस पेंटिंग को महाकुंभ के पवित्र अवसर को समर्पित किया है, और इसे बनाने का उद्देश्य महाकुंभ के दिव्य स्वरूप को और भी ऊंचा करना था। उन्होंने इस कला को न केवल अपनी साधना का हिस्सा माना, बल्कि इसे पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रस्तुत किया। प्रतिभा पांडे के पति, प्रवीण कुमार पांडे ने अपनी पत्नी की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरी कृति एक साधना है। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी की साधना इतनी गहरी है कि वह दिन-रात कई घंटे बैठकर राम का नाम लिखकर यह पेंटिंग बना रही थीं। वह भगवान राम की भक्त हैं और यही उनकी प्रेरणा है। प्रवीण कुमार ने आगे बताया कि पांडे ने न केवल इस पेंटिंग पर पूरा ध्यान केंद्रित किया, बल्कि घर के अन्य कामों और बच्चों की देखभाल के बीच इसे पूरा किया। उनके अनुसार, यह एक ऐसा साधना अभ्यास है, जो उनकी पत्नी के समर्पण और भक्तिभाव को प्रदर्शित करता है। प्रवीण कुमार पांडे ने यह भी बताया कि प्रयागराज में स्थित त्रिवेणी संगम, जहां महाकुंभ का आयोजन होता है, वह ऋषि भारद्वाज की भूमि है, और यही कारण है कि उनकी पत्नी ने राम का नाम उकेरने का निर्णय लिया।

40 साल तक बच्चों को नोचता रहा BBC सेलिब्रिटी

तमाशा देखती रही पुलिस, एलन मस्क ने बनाया इसे बड़ा मुद्दा

नेशनल डेस्क. ब्रिटिश ब्रॉड कास्टिंग कार्पोरेशन के एक सेलिब्रिटी जिमी सेविल द्वारा बीसीसी में कार्यरत रहने के दौरान 1960 से लेकर 2000 तक लगभग 40 साल सैंकड़ों बच्चों का योन शोषण किया गया। इस मामले में यूके की पुलिस हाथ पर हाथ रख कर बैठी तमाशा देखती रही और यौन शोषण के पीड़ित बच्चों को न्याय नहीं मिल सका। आरोपी जिमी सेविल की 2012 में मौत हो चुकी है लेकिन अब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है। मस्क ने बाकायदा इस मामले को लेकर यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुहीम छेड़ दी है।

क्या था मामला ?

जिमी सैविले एक ब्रिटिश टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता और मशहूर सार्वजनिक व्यक्ति थे, जो 1970 और 1980 के दशकों में ब्रिटेन में बहुत लोकप्रिय थे। वह बीबीसी के प्रमुख शो जैसे *Top of the Pops* और *Jimll Fix It* के होस्ट के रूप में प्रसिद्ध हुए। सैविले ने अपने करियर में कई पुरस्कार भी जीते और उनका सार्वजनिक जीवन काफी सम्मानजनक था।

हालांकि, उसकी मौत के बाद 2011 में एक बड़ा खुलासा हुआ। यह सामने आया कि जिमी सैविल दशकों तक बाल यौन शोषण करता रहा था। उनके ये अपराध बीबीसी के स्टूडियो, अस्पतालों और देखभाल घरों में हुए थे।

सैविल के खिलाफ कई आरोप थे, लेकिन बीबीसी और अन्य संस्थाओं ने इन आरोपों को नजरअंदाज किया और उनका बचाव किया। उनका ये अपराध इतने लंबे समय तक जारी रहा क्योंकि कई लोग सैविल के प्रभाव और प्रतिष्ठा से डरते थे, और कोई भी खुलकर उसके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

किस किस ने की जांच?

जब 2011 में जिमी सैविल की मृत्यु के बाद उनके खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए, तब ब्रिटिश पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। यह जांच 2012 में लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शुरू की थी। इस ऑपरेशन का उद्देश्य सैविल के यौन शोषण मामलों की जांच करना और यह पता लगाना था कि कितने और लोग उसकी शिकार बने थे। जांच में यह पाया गया कि सैविल ने 1960 से लेकर 2000 तक सैकड़ों बच्चों और युवाओं का यौन शोषण किया था। विशेष जांचकर्ताओं की टीम- ऑपरेशन *Yewtree* के तहत एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने सैविल के अपराधों की गहन जांच की और उसकी शिकार बनीं महिलाओं और बच्चों के बयान लिए। इस जांच में पुलिस ने पाया कि सैविल का अपराध बहुत व्यापक था, और उन्होंने कई दशकों तक अपना अपराध जारी रखा। जांच में 214 अपराधों की पुष्टि हुई और कई अपराधियों को सजा दी गई। बीबीसी और अन्य संस्थानों पर आलोचना हुई कि उन्होंने समय रहते इन अपराधों को रोकने के प्रयास नहीं किए।

2011 में, ब्रिटिश *tabloid* अखबार *The News of the World* ने इस मामले पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें सैविल के खिलाफ आरोपों की शुरुआत की गई थी। इस रिपोर्ट में कई लोगों ने सैविल के खिलाफ बयान दिए थे, लेकिन उस समय कई लोगों ने सैविल की प्रसिद्धि और प्रभाव को देखते हुए इन आरोपों को नजरअंदाज किया था।

बीबीसी ने भी इस मामले पर अपनी आंतरिक जांच की, क्योंकि सैविल लंबे समय तक बीबीसी का हिस्सा था। हालांकि, बीबीसी ने बाद में माना कि उन्होंने कई बार सैविल के खिलाफ आरोपों को नजरअंदाज किया था और उसकी अपराधों पर पर्दा डाला था।

जिमी सैविल के मामले की रिपोर्ट ब्रिटेन की संसद में 2013 में पेश की गई थी। यह रिपोर्ट मुख्य रूप से नेशनल हेल्थ सर्विस और बीबीसी द्वारा सैविल के अपराधों को नजरअंदाज करने और उसे शरण देने के बारे में थी।

ट्रूडो के इस्तीफा देते ही ट्रंप का ऐलान

कनाडा को अमेरिका में मिलाना ही होगा, फिर दोहराया ऑफर

इंटरनेशनल डेस्क:अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के कुछ समय बाद सोमवार को कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का अपना प्रस्ताव दोहराया। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने नेतृत्व के प्रति बढ़ते असंतोष के मद्देनजर सोमवार को पद से इस्तीफे की घोषणा की। इस साल कनाडा में आम चुनाव होने हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि जब तक पार्टी नया नेता नहीं चुन लेती, तब तक वह प्रधानमंत्री बने रहेंगे। ट्रंप, पांच नवंबर को अपनी चुनावी जीत के बाद 'मार-ए-लागो में ट्रूडो से मुलाकात के बाद से ही कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का विचार व्यक्त करते रहे हैं उसके बाद से वह कई बार अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर इसका जिक्र कर चुके हैं। ट्रंप के पिछले कार्यकाल (2017-2021) के दौरान भी ट्रूडो के साथ उनके कभी अच्छे संबंध नहीं रहे। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, ''कनाडा में भी बहुत से लोग अपने देश को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने के इच्छुक हैं। अमेरिका अब उन भारी व्यापार घाटे और सब्सिडी को वहन नहीं कर सकता है जिनकी कनाडा को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जरूरत है। जस्टिन ट्रूडो को यह पता था और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

ट्रूडो के इस्तीफे के बाद सोमवार को ट्रंप ने कहा, ''अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाता है तो कोई कर नहीं होगा, कर बहुत कम हो जाएंगे और वे रूसी और चीनी जहाजों के खतरे से पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे जो लगातार उन्हें घेरे रहते हैं। साथ मिलकर, यह कितना महान देश बनेगा। कनाडा की ओर से ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई तवज्जो नहीं दी गई है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर कनाडा अमेरिका के साथ अपनी दक्षिणी सीमा से मादक पदार्थ तस्करी और अवैध प्रवासियों की घुसपैठ को नहीं रोकता है तो कनाडाई आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री बनने से पहले क्या करते थे जस्टिन ट्रूडो?

इंटरनेशनल डेस्क: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी नेता का पद भी छोड़ दिया, यह फैसला कनाडा और भारत के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया। नए प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपने पद पर बने रहेंगे। जस्टिन ट्रूडो का राजनीतिक और व्यक्तिगत सफर काफी दिलचस्प है। आइए जानते हैं, प्रधानमंत्री बनने से पहले उनका जीवन कैसा था और उनकी शिक्षा के बारे में।

जस्टिन ट्रूडो का प्रारंभिक जीवन

जस्टिन ट्रूडो का जन्म 25 दिसंबर 1971 को हुआ। वह कनाडा के 15वें प्रधानमंत्री पियर ट्रूडो के सबसे बड़े बेटे हैं। पियर ट्रूडो 1968 से 1979 और 1980 से 1984 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे। अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए, जस्टिन ट्रूडो ने राजनीति में कदम रखा और 2015 में कनाडा के 23वें प्रधानमंत्री बने। वह देश के दूसरे सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं।

जस्टिन ट्रूडो की शिक्षा

जस्टिन ट्रूडो की शिक्षा का सफर विविध और बहुमुखी रहा मैकगिल यूनिवर्सिटी- 1994 में उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में बीए की डिग्री

प्राप्त की।

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय- 1998 में शिक्षा में स्नातक (बी.एड) की डिग्री हासिल की। इस दौरान उन्होंने स्नोबोर्ड इंस्ट्रक्टर के रूप में भी काम किया।

मॉन्ट्रियल यूनिवर्सिटी- 2002 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की, लेकिन इसे अधूरा छोड़ दिया।

मैकगिल विश्वविद्यालय (पर्यावरणीय भूगोल)- उन्होंने पर्यावरणीय भूगोल की पढ़ाई शुरू की, लेकिन इसे भी पूरा नहीं किया।

पीएम बनने से पहले की भूमिका

शिक्षा और अन्य कार्यों के दौरान जस्टिन ट्रूडो ने विभिन्न भूमिकाएं निभाई-

स्नोबोर्ड इंस्ट्रक्टर और गणित शिक्षक के रूप में कार्य किया।

2002 में मॉन्ट्रियल के एक रेडियो स्टेशन पर काम किया।

2004 के एथेंस ओलंपिक खेलों की रिपोर्टिंग की।

2007 में टेलीविजन मिनीसीरीज द ग्रेट वॉर में एक भूमिका निभाई।

कैनेडियन पार्क्स एंड वाइल्डरनेस सोसाइटी के प्रवक्ता के रूप में सेवा दी।

राष्ट्रीय युवा संगठन कटिमविक (2002-06) के निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

राजनीति में प्रवेश और संपत्ति

जस्टिन ट्रूडो 2008 में पहली बार सांसद बने और 2015 में प्रधानमंत्री का पदभार संभाला। उनके नेतृत्व में कनाडा ने कई सामाजिक और आर्थिक सुधार देखे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जस्टिन ट्रूडो दुनिया के सबसे अमीर राजनेताओं में से एक हैं। उन्हें अपने पिता से 40 मिलियन डॉलर (लगभग 320 करोड़ रुपये) की संपत्ति विरासत में मिली। इसके अलावा, उन्होंने 22 मिलियन डॉलर की संपत्ति रियल एस्टेट में निवेश की और 7 मिलियन डॉलर के शेयर दुनियाभर की कंपनियों में लगाए।

जस्टिन ट्रूडो का जीवन एक शिक्षक, अभिनेता, और सामाजिक कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक का सफर प्रेरणादायक रहा है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने शिक्षा, खेल और सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान दिया। इस्तीफे के बाद उनकी राजनीतिक विरासत और आगे का सफर चर्चा का विषय बना रहेगा।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में 2 अपराधी ढेर, एक दारोगा को भी लगी गोली

नेशनल डेस्क.बिहार में पटना जिले के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में सुबह-सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोलीबारी में दो अपराधी मारे गए। वहीं इस दौरान एक दारोगा को भी गोली लगी। घायल दारोगा को पटना एम्स में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि सूचना मिली थी कि सोमवार की देर रात अपराधी डकैती की योजना को लेकर हिंदुनी गांव में पहुंचे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर फुलवारीशरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग शुरू की। इस दौरान दो अपराधियों को गोली लग गई। दो डकैतों की पहचान नालंदा निवासी मेमो और विवेक के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों अपराधियों को को इलाज के लिए फुलवारीशरीफ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं इस घटना में एक दारोगा को भी गोली लग गई, जिनका इलाज पटना एम्स में चल रहा है। घायल दारोगा की पहचान गौरीचक थाना में पदस्थापित विवेक कुमार के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। सिटी एसपी पश्चिमी मौके वारदात पर पहुंच कर कैंप कर रहे हैं।

सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट... जानें आज का लेटेस्ट रेट

नेशनल डेस्क. 7 जनवरी 2025 को भारतीय वायदा बाजार में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सुबह 10-12 बजे, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 5 फरवरी की समाप्ति वाले सोने का वायदा भाव 0.02% की गिरावट के साथ ?77,140 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। हालांकि, सुबह 9-10 बजे यह 0.12% की वृद्धि के साथ 77,250 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, लेकिन बाद में इसमें गिरावट दर्ज की गई।

पिछले सत्र में सोने का प्रदर्शन

सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट मुख्य रूप से हाजिर बाजारों में कमजोर मांग और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण हुई। 10-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड मई 2024 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिससे सोने की मांग प्रभावित हुई। एमसीएक्स पर फरवरी वायदा सोना 0.21 प्रतिशत गिरकर 77,158 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। हालांकि, घरेलू इक्विटी बाजार में कमजोरी और डॉलर इंडेक्स में गिरावट ने सोने की कीमतों में गिरावट को सीमित रखा।

दिल्ली के सर्राफा बाजार का हाल

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को हाजिर बाजार में सोने की कीमत ?700 की गिरावट के साथ ?78,600 प्रति 10 ग्राम रह गई। यह शुक्रवार के ?79,300 प्रति 10 ग्राम के मुकाबले कम रही।

वैश्विक बाजार का प्रभाव और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2024 में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने सामूहिक रूप से 53 टन सोना खरीदा। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा खरीदे गए 8 टन सोना भी शामिल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों ने सोने को एक स्थिर और सुरक्षित संपत्ति मानते हुए इसे प्राथमिकता दी।

आगे की स्थिति पर नजर

इस हफ्ते शुक्रवार को अमेरिकी नौकरियों की रिपोर्ट आने की उम्मीद है, जो ब्याज दरों के रुख पर असर डाल सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569